RNI. NO. RAJHIN/2021/82156

डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ़ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -86 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, रविवार 8 जून, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

राहुल गांधी का चुनाव आयोग को चैलेंज

चुनाव आयोग के पास कुछ छिपाने को नहीं है तो वो मेरे सवालों को जवाब देः राहुल गांधी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर फिर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। मध्यस्थों के जरिए बिना हस्ताक्षर के, टाल-मटोल करने वाले नोट जारी करना गंभीर सवालों का जवाब देने का तरीका नहीं है। अगर चुनाव आयोग के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो मेरे लेख में दिए गए सवालों के जवाब दें और इसे साबित करें कि महाराष्ट्र चुनाव में हेराफेरी नहीं की गई।

चुनाव आयोग पर राहुल का डबल अटैक

राहुल गांधी ने शनिवार को एक अंग्रेजी और हिंदी अखबार में लेख लिखकर बीजेपी और चुनाव आयोग पर 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली का आरोप लगाया था। राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग ने कहा कि महाराष्ट्र की मतदाता सूची को लेकर जो आरोप लगाए जा रहे हैं, वे कानून का अपमान है। चुनाव आयोग ने बताया कि उन्होंने 24 दिसंबर 2024 को कांग्रेस पार्टी को इस बारे में जवाब दिया गया था। वह जवाब श्वष्टड्ड की वेबसाइट पर मौजूद है। श्वष्टड्ड का कहना है कि ऐसा लगता है कि इन तथ्यों को बार-बार अनदेखा किया जा रहा है और फिर से वही मुद्दे उठाए जा रहे हैं।

मतदाता सूची, सीसीटीवी फुटेज जारी करने की चुनौती दी

चुनाव आयोग की सफाई आने के बाद भी राहुल गांधी नहीं रुके और निर्वाचन आयोग को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया। राहुल गांधी एक्स पर लिखा, 'प्रिय चुनाव आयोग, आप एक संवैधानिक संस्था हैं। मध्यस्थों के जरिए बिना हस्ताक्षर के, टाल-मटोल करने वाले नोट जारी करना गंभीर सवालों का जवाब देने का तरीका नहीं है। अगर आपके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो मेरे लेख में दिए गए सवालों के जवाब दें और इसे साबित करें कि महाराष्ट्र सहित सभी राज्यों के लोकसभा और विधानसभा के सबसे हालिया चुनावों के लिए समेकित, डिजिटल, मशीन-पठनीय मतदाता सूची प्रकाशित करें। महाराष्ट्र के मतदान केंद्रों से शाम 5 बजे के बाद की सभी सीसीटीवी फुटेज जारी करें। टाल-मटोल करने से आपकी विश्वसनीयता सुरक्षित नहीं रहेगी। सच बोलने से आपकी विश्वसनीयता सुरक्षित रहेगी।'

बीजेपी ने राहुल गांधी को हताश, निराश बताया

राहुल गांधी के आरोप पर बीजेपी ने भी पलटवार किया। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी का लेख 'फर्जी विमर्श गढ़ने का एक ब्लूप्रिंट है, क्योंकि वह लगातार चुनाव हारने से दुखी और हताश हैं। उन्होंने कहा, "वह इसे चरण दर चरण इस प्रकार करते हैं। चरण 1 कांग्रेस पार्टी अपनी हरकतों के कारण चुनाव दर चुनाव हारती है। चरण 2 आत्मनिरीक्षण करने के बजाय, वह विचित्र षड्यंत्र रचते हैं और धांधली का रोना रोते हैं। चरण 3 सभी तथ्यों और आंकड़ों की अनदेखी करते हैं। चरण 4 बिना सबूत के संस्थाओं को बदनाम करते हैं।" बीजेपी अध्यक्ष ने कहा, "चरण 5 तथ्यों की अपेक्षा सुर्खियों की उम्मीद करना। बार-बार पोल खुलने के बावजूद, वह बेशर्मी से झूठ फैलाते रहते हैं। और, वह ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि बिहार में उनकी हार निश्चित है।" नड्डा ने कहा कि लोकतंत्र को नाटक की नहीं, बल्कि सच्चाई की जरूरत है।

महाराष्ट्र में बनाए गए फर्जी वोटर तो कांग्रेस ने अब तक क्यों नहीं की शिकायतः चुनाव आयोग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में गड़बड़ी को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की ओर से फिर से लगाए गए आरोपों पर चुनाव आयोग ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। कहा- यदि महाराष्ट्र में फर्जी वोटर बनाए गए है तो कांग्रेस अब तक इसकी शिकायत क्यों नहीं कर रही है? निर्वाचन आयोग ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची तैयार करने के दौरान 90 शिकायतें मिली थीं, जिनका त्वरित समाधान किया गया था। उसके बाद से आयोग को एक भी नई शिकायत नहीं मिली है। साथ ही यह भी कहा कि महाराष्ट्र के एक लाख से अधिक बूथ लेवल आफीसर (बीएलओ) अब तक ऐसी शिकायतों का इंतजार कर रहे हैं। यदि फर्जी मतदाता बनाए गए है तो कांग्रेस उसे क्यों नहीं चैलेंज कर रही है? राहुल गांधी के आरोपों को पहले ही आयोग द्वारा खारिज किया जा चुका है, लेकिन एक बार फिर से इस मुद्दे को उठाने के बाद आयोग ने फिर अपनी प्रतिक्रिया दी है। वैसे सभी राजनीतिक दलों के साथ चुनाव सुधारों को लेकर विमर्श करने में जुटे आयोग की कांग्रेस पार्टी को छोड़कर दूसरे सभी राजनीतिक दलों के प्रमुखों के साथ चर्चा हो चुकी है। कांग्रेस के साथ भी चर्चा 15 मई के आसपास प्रस्तावित थी, लेकिन पहलगाम आतंकी घटना के बाद पाकिस्तान के खिलाफ ऑरपेशन सिंदूर शुरू हो जाने के चलते इसे बाद में टाल दिया गया था। अब कई राज्यों में हो रहे उपचुनाव के खत्म होने के बाद ही इसके होने की संभावना है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर राहुल गांधी की ओर से फिर से लगाए गए आरोपों को बैठक से पहले आयोग को घेरने से जोड़कर भी देखा जा रहा है।

महाराष्ट्र चुनाव में धांधली के लगाए गए आरोपों बोला आयोग

कांग्रेस नेता की ओर से महाराष्ट्र चुनाव में धांधली के लगाए गए आरोपों पर आयोग ने कहा कि चुनाव में हार के बाद रेफरी को दोष देना एक नई आदत बन गई है। राहुल के आरोप बेतुके हैं। कोई भी गलत सूचना न केवल कानून के प्रति अनादर है बल्कि इस प्रक्रिया में अपने स्वयं के राजनीतिक दल के नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों को भी बदनाम करती है। रही बात चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की, तो पंडित नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति सिर्फ प्रधानमंत्री की कृपा पर होती है। पहली बार देश में संसद से पारित एक कानूनी के तहत चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति हुई है। चुनाव आयोग से जुड़े उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार देश के हर पोलिंग स्टेशन पर कार्य करने वाले 10.50 लाख बीएलओ राहुल गांधी के इस झूठे और बेबुनियाद आरोप से गुस्से में तो हैं ही, इस कड़ी में अब इन पोलिंग स्टेशनों पर मतदान में जिम्मेदारी निभाने वाले 50 लाख पोलिंग अधिकारी व कर्मी भी राहुल गांधी के इस झूठे और बेबुनियाद आरोप से गुस्से में हैं। हाल ही में आयोग की ओर से कराए जा रहे प्रशिक्षण में उनकी ओर से यह नाराजगी सामने दिखी है। गौरतलब है कि मतदाता सूची तैयार करने का काम बीएलओ द्वारा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में किया जाता है। बीएलओ राज्य सरकार के कर्मचारी होते हैं।

गहलोत-पायलट की मुलाकात, बंद कमरे में दो घंटे चली बैठक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान कांग्रेस के दो दिग्गज नेताओं सियासी अदावत किसी से छिपी नहीं है। दोनों ही नेताओं के बीच मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए सियासी युद्ध भी हो चुका है। यह युद्ध केवल जुबानी हमले तक सिमित नहीं था बल्कि सड़क पर भी हुआ था। आपसी टकराव के चलते ही कांग्रेस राजस्थान की सत्ता में वापसी नहीं कर सकी। पूरे पांच साल बाद ये दोनों दिग्गज नेता एक साथ नजर आए। नाम तो आप समझ ही गए होंगे कि यहां कांग्रेस के किन नेताओं की बात हो रही है। जी हां, अशोक गहलोत और सचिन पायलट। शनिवार को इन दोनों नेताओं की अहम मुलाकात हुई। सिर्फ मुलाकात ही नहीं बल्कि हंसते खिलखिलाते मिलने के फोटो और वीडियो भी सामने आए। अब राजस्थान की सियासत में यह चर्चाएं हो रही है कि क्या गहलोत और पायलट के बीच सारे गिले शिकवे दूर हो गए। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट शनिवार दोपहर को अचानक पूर्व सीएम अशोक गहलोत के सरकारी आवास पर पहुंचे। दोनों ने गर्मजोशी से हाथ मिलाया और मुस्कुराते हुए फोटो वीडियो शूट कराए। दरअसल 11 जून को सचिन पायलट के पिता स्वर्गीय राजेश पायलट की 25 वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर दौसा में कार्यक्रम होना प्रस्तावित है। इसी कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए सचिन पायलट खुद अशोक गहलोत के निवास पर पहुंचे और उन्हें आमंत्रण पत्र दिया। अशोक गहलोत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सचिन पायलट के आने और मुलाकात करने की तस्वीर साझा की। तस्वीर के साथ गहलोत ने पोस्ट करके स्वर्गीय राजेश पायलट के निधन पर आज तक उन्हें दुख होने की बात लिखी। गहलोत ने लिखा कि वे और राजेश पायलट वर्ष 1980 में पहली बार एक साथ ही लोकसभा में पहुंचे थे। करीब 18 साल तक साथ ही सांसद रहे। उनके आकस्मिक निधन पर का उन्हें आज तक दुख है। गहलोत ने कहा कि

उनके (स्वर्गीय राजेश पायलट) जाने से पार्टी को गहरा आघात लगा। गौरतलब है कि वर्ष 2020 में दौसा के पास हुए सड़क हादसे में राजेश पायलट का निधन हो गया था। स्वर्गीय राजेश पायलट और अशोक गहलोत पक्के दोस्त थे लेकिन सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच की राजनीतिक दुश्मनी जगजाहिर है। पांच साल पहले इन दोनों दिग्गज नेताओं के बीच सियासी तलवारें खिंच गई थी। ऐसी खबरें आई थी कि मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए पायलट और उनके समर्थकों ने बगावत का ऐलान कर दिया। 19 विधायक राजस्थान छोड़कर अज्ञात स्थान पर चले गए और अपने अपने मोबाइल स्विच ऑफ कर दिए। एक दिन बाद पता चला कि वे हरियाणा के मानेसर स्थित होटल में ठहरे हुए हैं। इससे गहलोत सरकार संकट में आ गई थी। करीब 34 दिन तक सियासी युद्ध चला। इस दौरान नकारा, निकम्मा और गद्दार जैसे शब्दों का इस्तेमाल भी हुआ। आखिर में अशोक गहलोत सरकार बचाने में कामयाब रहे। तब से गहलोत और पायलट के बीच राजनैतिक दुश्मनी जारी है। अब दोनों की इस मुलाकात से नई चर्चाएं शुरु हो गई। लोग एक दूसरे से पूछ रहे हैं कि क्या इन दोनों नेताओं के बीच सारे गिले शिकवे दूर हो गए। हालांकि यह भी सच है कि हाथ भले ही मिला लिए हों लेकिन दिल में कसक हमेशा बनी रहेगी।

सरकार ने जारी किया कोविड से हुई मौतों का आंकड़ा, कोरोना से भारत में 2021 में हुई थी एक करोड़ से अधिक लोगों की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारत में कोविड प्रभावित 2021 के मुकाबले 2022 में कोविड संक्रमण से लगभग 86.5 लाख मौतें दर्ज की गईं। यह मौतें 2021 में हुई 1.02 करोड़ मौतों से 15 फीसदी से भी अधिक कम हैं। यह खुलासा भारत के रजिस्ट्रार जनरल की जारी नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) की नई रिपोर्ट में किया गया है। सीआरएस की रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में 15.74 लाख मौतों की गिरावट से मृत्यु दर 2020 जैसे महामारी से पहले के स्तर पर लौट आई हैं।सीआरएस के आंकड़ों के अनुसार, 2021 में देश भर में 1.02 करोड़ लोगों की मौतों के साथ मृतक संख्या में तेज उछाल दर्ज किया गया था, जबकि यह आंकड़ा 2020 में 81.1 लाख, 2019 में 76.4 लाख और 2018 में 69.5 लाख था। रिपोर्ट के मुताबिक, पंजीकृत मौतों की संख्या 2021 में 102.2 लाख से घटकर 2022 में 86.5 लाख हो गई, यानी इसमें 15.4 फीसदी की गिरावट आई। इस गिरावट में गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, बिहार और हरियाणा जैसे राज्यों का बड़ा योगदान रहा। लोकसभा में 29 जुलाई 2022 को दी गई जानकारी के अनुसार, 26 जुलाई 2022 तक भारत में कोविड-19 से लगभग 5.26 लाख मौतें दर्ज की गईं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत में 47 लाख से ज्यादा कोविड से जुड़ी मौतों का अनुमान लगाया था। इस पर सख्त एतराज जताते हुए भारत सरकार ने इसे गलत करार दिया था।

सरकार ने कहा कि डब्ल्यूएचओ की गणना में कई गलतियां और गलत मान्यताएं थीं, जबकि भारत ने रजिस्ट्रार जनरल का प्रकाशित सटीक सीआरएस डाटा डब्ल्यूएचओ को पहले ही मुहैया करा दिया गया था। 2022 में जन्म पंजीकरण में हुआ 5.1 फीसदी का इजाफा रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में 2.54 करोड़ जन्म पंजीकृत किए गए। 2021 में 242 लाख जन्मों की तुलना में यह 5.1 फीसदी की बढ़ोतरी है। 2022 में पंजीकृत जन्म 254.4 लाख रहे। जन्म पंजीकरण में 2021 के मुकाबले 2022 में ज्यादातर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बढ़ोतरी हुई, लेकिन बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, लद्दाख और लक्षद्वीप में इसमें गिरावट देखी गई। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, कर्नाटक, गुजरात, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और असम इन नौ बड़े राज्यों ने 2022 में जन्म वृद्धि में अहम योगदान दिया। हालांकि, पश्चिम बंगाल और बिहार में 2021 की तुलना में जन्म पंजीकरण में छह अंकों की कमी देखी गई।

सीएमएचओ कार्यालय का 'बिहारी' रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सवाई माधोपुर

सवाई माधोपुर में एसीबी ने शनिवार को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसीबी की टीम ने सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ प्रशासनिक अधिकारी भूपेंद्र बिहारी शर्मा को 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सवाई माधोपुर एसीबी के एएसपी ज्ञान सिंह चौधरी ने बताया कि एसीबी के जयपुर मुख्यालय से सवाई माधोपुर सीएमएचओ कार्यालय के प्रशासनिक अधिकारी भूपेंद्र बिहारी शर्मा को लेकर भ्रष्टाचार की शिकायत मिली थी। जयपुर मुख्यालय से मिली शिकायत के बाद सवाई माधोपुर एसीबी टीम की ओर से सत्यापन करवाया गया। एएसपी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सत्यापन में एसीबी की टीम को खंडार में पदस्थ एक चिकित्सक की जांच को रफा दफा करने की एवज में सीएमएचओ कार्यालय के प्रशासनिक अधिकारी भूपेंद्र बिहारी शर्मा की ओर से चिकित्सक से रिश्वत की मांग करना सही पाया गया। जिसके बाद एसीबी ने जाल बिछाकर आरोपी प्रशासनिक अधिकारी भूपेंद्र बिहारी शर्मा को धर दबोचा। एसीबी की टीम ने आरोपी भूपेंद्र बिहारी शर्मा को 25 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। फिलहाल एसीबी की टीम सभी पहलुओं पर जांच में जुटी हुई है।

राजस्थान में गुर्जर आंदोलन की फिर से तैयारी! आज महापंचायत में होगा फैसला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पीलूपुरा

राजस्थान में एक बार फिर से गुर्जर आंदोलन को लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई है. रविवार को भरतपुर के पीलूपुरा में गुर्जर समाज की महापंचायत होने वाली है. जिसमें प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से लोग शामिल होंगे. इस महापंचायत का नेतृत्व बीजेपी नेता विजय बैंसला कर रहे हैं, जो गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष हैं. विजय बैंसला के नेतृत्व में होने वाली महापंचायत को लेकर कई दिनों से बड़े जोर-शोर के साथ तैयारी चल रही है. पुलिस प्रशासन ने भी गुर्जर समाज की महापंचायत को लेकर पुख्ता

इंतजाम किए गए हैं. इसके लिए कई जिलों से फोर्स को बुलाया गया है.

पीलूपुरा का गुर्जर आंदोलन से खासा नाता

भरतपुर के पीलूपुरा में होने वाली महापंचायत खासी मायने रखती है, क्योंकि इस महापंचायत में गुर्जर समाज आगे की रणनीति तय करेगा. दूसरी बात और पीलूपुरा का गुर्जर आंदोलन से खासा नाता रहा है. शनिवार को विजय बैंसला गुर्जर महापंचायत स्थल पर भी पहुंचे. इस दौरान महापंचायत स्थल जायजा लिया. भरतपुर के आईजी राहुल प्रकाश भी पीलूपुरा पहुंचे. इस दौरान उन्होंने गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक विजय बैसला से बात की. आईजी राहुल प्रकाश ने समाज के लोगों से शांतिपूर्वक तरीके से अपनी मांग रखने को कहा. महापंचायत से पहले शनिवार को दौसा में गाजीपुर स्थित देवनारायण मंदिर में गुर्जर समाज की बैठक हुई है, जिसमें सरकार की ओर से गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम शामिल हुए. पर इस बैठक में हल नहीं निकल पाया. गृह राज्य मंत्री ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि मैं समाज के लोगों से आग्रह किया है कि वह सभी एक जाजम पर बैठकर इस संबंध में चर्चा कर लें तो बेहतर रहेगा. इस दौरान समाज के लोगों ने मंत्री एक मांग पत्र भी सौंपा है. गुर्जर समाज की महापंचायत के बीच भारतीय किसान यूनियन (लोकतांत्रिक) के प्रदेश प्रभारी मदन मोहन राजौर ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को ज्ञापन भेजते हुए MBC वर्ग को पूर्ण आरक्षण लाभ दिलाने की मांग की है. पत्र में 8 जून को पीलूपुरा-कारावाड़ी में होने वाली महापंचायत का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में लंबे समय से MBC वर्ग की जातियों को उनका हक नहीं मिल पा रहा है. सरकार की घोषणाओं और नीतियों के बावजूद जमीनी स्तर पर इन वर्गों को आरक्षण का फायदा नहीं मिल रहा.

बोरिंग की मोटर निकालते समय करंट लगने से श्याम लाल मीना की मौत, एक गंभीर घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा थानागाजी

शनिवार दोपहर को गांव क्यारा में बोरिंग की खराब पड़ी मोटर को निकालते समय ऊपर से गुजर रही 11000 वोल्ट की विद्युत लाइन के लोरिंग मशीन से छू जाने से करंट लग गया, जिससे 42 वर्षीय श्याम लाल मीना की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्याम लाल मीना पुत्र जगदीश मीना ने कृषि कार्य के लिए अपनी खराब मोटर को ठीक करवाने हेतु समीपवर्ती गांव काला पापड़ा से लोरिंग मशीन वाले को बुलाया था। बोरिंग से मोटर निकालते समय लोरिंग मशीन ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टच हो गई, जिससे बिजली का करंट लगा। करंट लगने से श्याम लाल की मौत हो गई जबकि गिर्राज प्रसाद मीना पुत्र छोटे लाल मीना (35 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन मृतक का शव लेकर थानागाजी सीएचसी पहुंचे, जहां पुलिस की मौजूदगी में मेडिकल बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। घायल गिर्राज प्रसाद को इलाज के लिए अलवर रैफर किया गया है। अलवर अस्पताल में उसका उपचार जारी है। इस हादसे से गांव में शोक की लहर फैल गई है। मृतक के बड़े भाई रमेश मीना ने थानागाजी पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर इस हादसे की सूचना दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आगर में 201 महिलाओं ने निकाली मंगल कलश यात्रा, श्याम भजनों पर झूम उठा गाँव

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा थानागाजी

ब्लॉक के ग्राम आगर में शनिवार सुबह सवा आठ बजे श्याम जागरण से पूर्व विधिवत ब्राह्मणों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ श्याम ध्वज और कलशों की पूजा-अर्चना के बाद गणेश मंदिर से तकियावाले हनुमानजी मंदिर तक मंगल कलश यात्रा निकाली गई। श्री श्याम बाल अरदास मंडल आगर के सुनील ज्योतिषी और बाबू भाई ने बताया कि इस यात्रा में श्याम प्रभु का दरबार सजा हुआ था। पूजा-अर्चना, आरती के बाद श्याम रथ के साथ श्रद्धालु निशान लेकर यात्रा में शामिल हुए। गाँव के मुख्य मार्गों और बाजारों से होते हुए 201 महिलाओं ने मंगलगीत गाते हुए और हाथों में बाबा का निशान लिए यात्रा निकाली। सैकड़ों भक्तों ने रंग-गुलाल उड़ाए, डीजे पर भजनों की धुन पर नाचते-गाते मस्ती में झूम उठे। यात्रा गणेश मंदिर से शुरू होकर मेन मार्केट, बस स्टैंड होते हुए तकियावाले हनुमान मंदिर पहुँची। कलश यात्रा के दौरान गणेश जी, रामलला और बाबा श्याम के दरबार सजे हुए थे, जहाँ इत्र वर्षा की गई। भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे और आगर गाँव बाबा श्याम के जयकारों से गूंज उठा। मुख्य सड़क मार्ग से गुजर रहे वाहन चालकों और यात्रियों ने भी श्याम प्रभु के जयकारे लगाकर शीश नवाया। इस अवसर पर सुनील मित्तल, गौरीशंकर सोमवंशी, रामावतार गुर्जर, रमेश मीणा, उपेंद्र सिंह, वेदप्रकाश शर्मा, जगदीश टेलर, सोनू, घनश्याम, विश्राम प्रजापत, शिवशंकर, दिलखुश सोमवंशी, महेश योगी, श्योराम मीना सहित बड़ी संख्या में युवक, ग्रामीण, महिलाएं और पुरुष मौजूद रहे।

उपचुनावः जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए आज मतदान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिला परिषद सदस्य के लिए कठूमर के निर्वाचन क्षेत्र संख्या 29 और पंचायत समिति मालाखेड़ा के सदस्य के लिए निर्वाचन क्षेत्र संख्या 16 के उपचुनावों के लिए मतदान रविवार को आयोजित हो रहा है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी मुकेश कायथवाल ने बताया कि शनिवार को आर्ट्स कॉलेज से जिला परिषद सदस्य उपचुनाव के लिए 59 मतदान दलों को अंतिम प्रशिक्षण देने के बाद रवाना किया गया। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। मतदान खत्म होते ही सभी मतदान दल रविवार को ही आर्ट्स कॉलेज लौटकर पोल्ड ईवीएम और निर्वाचन रिकॉर्ड जमा कराएंगे। जिला परिषद सदस्य के उपचुनाव की मतगणना 9 जून को सुबह 9 बजे से आर्ट्स कॉलेज में होगी। पंचायत समिति मालाखेड़ा के उपचुनाव के लिए भी चार मतदान दल रवाना किए गए। यहां भी मतदान का समय सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगा। पंचायत समिति सदस्य के चुनाव की मतगणना उपखंड मुख्यालय मालाखेड़ा पर 9 जून को सुबह 9 बजे से शुरू होगी। प्रशासन ने शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है।

बदमाश ट्रांसफार्मर उड़ा ले गए, सप्लाई बंद होने से गांव अंधेरे में डूबा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

बगड़ तिराहा थाना क्षेत्र के गांव बंजीरका में बदमाशों ने बीती रात बिजली ट्रांसफार्मर चोरी कर लिया। चोरी की इस वारदात ने पूरे गांव की बिजली सप्लाई ठप कर दी और लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हो गए। यह घटना 5 जून की देर रात की है। जैसे ही गांव में बिजली गुल हुई, लोगों ने कारण जानने की कोशिश की। बाद में पता चला कि गांव के मुख्य बिजली ट्रांसफार्मर को अज्ञात बदमाश खोलकर ले गए। इस ट्रांसफार्मर से गांव के घरों को बिजली आपूर्ति होती थी। चोरी की सूचना मिलते ही गांव के लोग काफी परेशान हो गए। बिजली नहीं होने के कारण गांव में अंधेरा पसर गया। ग्रामीणों ने तुरंत बिजली विभाग के अधिकारियों को इस बारे में जानकारी दी। मौके पर पहुंचे बिजली विभाग के कर्मचारियों ने ट्रांसफार्मर के चोरी की पुष्टि की। इस घटना को लेकर जयपुर डिस्कॉम ऑफिस बगड़ मेव के जेईएन विश्व राज राजोरिया ने बगड़ तिराहा थाना पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में कहा गया कि बदमाश ट्रांसफार्मर के कॉपर, तेल व वायरिंग को भी चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और संदिग्धों की तलाश में जुट गई है। पुलिस का मानना है कि चोरी किसी सुनियोजित गिरोह द्वारा की गई है। गांव के लोगों में इस घटना के बाद से दहशत का माहौल है। गांव वालों का कहना है कि बिजली सप्लाई नहीं होने से रोजमर्रा के कामकाज प्रभावित हो रहे हैं। वहीं बच्चों की पढ़ाई भी बुरी तरह से बाधित हो रही है। गांव में बिजली सप्लाई सुचारू करने के लिए प्रशासन से जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस चोरी के मामले का पर्दाफाश कर लिया जाएगा और बदमाशों को गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं बिजली विभाग ने भी गांव में नया ट्रांसफार्मर लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है ताकि जल्द ही सप्लाई बहाल की जा सके।

बीकॉम एवं बीबीए पार्ट-1 के प्रथम सेमेस्टर के लिए एडमिशन शुरू

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

कॉमर्स कॉलेज अलवर में बीकॉम एवं बीबीए पार्ट प्रथम वर्ष के प्रथम सेमेस्टर के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया 4 जून से शुरू हो गई है। प्राचार्य प्रो. सत्यभान यादव ने जानकारी दी कि वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्र-छात्राएं ई-मित्र पर जाकर डीसीई पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश की अंतिम तिथि 16 जून 2025 तय की गई है। प्रवेश प्रक्रिया के दौरान आवश्यक दस्तावेजों की जांच के साथ ही कॉलेज प्रशासन ने छात्रों से समय पर आवेदन करने की अपील की है। प्रो. यादव ने कहा कि प्रवेश के लिए किसी भी तरह की समस्या आने पर कॉलेज की ओर से हेल्पलाइन की व्यवस्था की गई है, जिससे छात्र-छात्राओं को सही जानकारी मिल सके।

सिलीसेढ़ से अलवर में पानी लाने पर बढ़ता गतिरोधः समाधान की उम्मीद?

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर जिले के सिलीसेढ़ क्षेत्र में 35 प्रस्तावित बोरिंग के खिलाफ किसानों और ग्रामीणों का विरोध लगातार तीव्र होता जा रहा है। "झील बचाओ - किसान बचाओ संघर्ष समिति" के बैनर तले सिलीसेढ़ तिराहे पर ग्रामीणों का धरना तीसरे दिन भी जारी है। दिनभर जिकड़ी दंगल के कार्यक्रम और जनगीतों के जरिए ग्रामीण अपनी एकजुटता और नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। सरपंचों और क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने भी आंदोलन को समर्थन दिया है। उन्होंने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर स्पष्ट कर दिया कि बिना पंचायत की अनुमति और राय के बोरिंग कार्य किसी भी हाल में मंजूर नहीं होगा। उनका कहना है कि सरकार को पहले पंचायत से एनओसी लेनी चाहिए और उसके बाद ही आगे बढ़ना चाहिए। भारतीय किसान यूनियन की महिला जिला अध्यक्ष मीनाक्षी मीणा ने आंदोलनकारियों के बीच पहुंचकर विरोध को और धार दी। उन्होंने कहा कि "सरकार के इस कदम से किसानों के हितों की अनदेखी हो रही है। अलवर शहर को पानी देने के लिए बोरिंग की जा रही है, लेकिन इससे किसानों के खेतों और भूजल स्रोतों पर विपरीत असर पड़ेगा। सरकार को चाहिए कि ईआरसीपी योजना को लागू करे या फिर नहर से पानी लाया जाए, बोरिंग किसी सूरत में स्वीकार नहीं होगी।" इधर, संघर्ष समिति के सदस्यों का आरोप है कि उद्योगपतियों के लिए सरकार पानी देने की योजनाएं तैयार कर रही है, लेकिन आम किसानों और ग्रामीणों को प्यासा छोड़ रही है। "हम यह अन्याय बर्दाश्त नहीं करेंगे, जब तक हमारी बात नहीं मानी जाएगी, तब तक धरना जारी रहेगा," भविंद्र पटेल ने कहा। धरना स्थल पर उमरैण पंचायत के उप प्रधान महेश सैनी, भविंद्र पटेल, भब्बल यादव, रामसिंह, शिवदयाल, पूरण गुर्जर समेत कई लोग मौजूद रहे। उनका कहना है कि यह सिर्फ एक गांव की लड़ाई नहीं है, बल्कि पूरे क्षेत्र के हक की लड़ाई है। पंचायतों के अधिकारों का सम्मान होना चाहिए और प्रशासन को अपनी मनमानी छोड़नी होगी। इस बीच प्रशासनिक अधिकारियों ने आंदोलनकारियों से बातचीत की पहल की है, ताकि समाधान के रास्ते पर चर्चा शुरू हो सके। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में कुछ सकारात्मक कदम सामने आ सकते हैं। हालांकि, जब तक किसानों को आश्वासन और वैकल्पिक योजना का भरोसा नहीं दिया जाएगा, तब तक आंदोलन के और व्यापक होने की संभावना जताई जा रही है। अब देखना है कि सरकार और आंदोलनकारी प्रतिनिधियों के बीच संवाद से कोई हल निकलता है या फिर यह गतिरोध लंबा खिंचता है। इस पानी संकट के समाधान की तलाश में जिले की निगाहें सिलीसेढ़ तिराहे पर टिकी हैं।

अलवर, भिवाड़ी, नीमराणा और कोटपूतली में ज़मीनों की धूम, 1400 करोड़ के राजस्व की उम्मीद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

रियल एस्टेट सेक्टर में इस समय ज़बरदस्त तेजी आई है। अलवर, भिवाड़ी, नीमराणा और कोटपूतली जैसे बड़े रजिस्ट्रेशन सेंटरों पर जमीनों की खरीद-फरोख्त ने नया रिकॉर्ड बनाया है। प्रतिदिन औसतन 160 से अधिक जमीनों के पंजीकरण हो रहे हैं, जिससे सरकार के खजाने में अप्रेल और मई माह में ही 200 करोड़ रुपए से अधिक की आमदनी हुई है। इस रफ्तार को देखते हुए सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए राजस्व का लक्ष्य 1000 करोड़ से बढ़ाकर 1400 करोड़ रुपए कर दिया है। फरवरी और मार्च में प्रॉपर्टी बाजार में थोड़ी सुस्ती रही थी। इन दो महीनों में चारों बड़े सेंटरों पर प्रतिदिन औसतन 100 से 120 पंजीकरण ही हो रहे थे। लेकिन अप्रेल से इसमें ज़बरदस्त उछाल आया। अलवर शहर में जयपुर और दिल्ली मार्ग पर रियल एस्टेट की रौनक बढ़ी है। यूआईटी से स्वीकृत कॉलोनियों में भी भूखंडों की बिक्री ने रफ्तार पकड़ी है। अलवर रजिस्ट्रेशन सेंटर पर अब रोजाना 40 से ज्यादा रजिस्ट्रियां हो रही हैं। भिवाड़ी और नीमराणा में भी इसी तरह की तेजी देखी जा रही है। वहीं कोटपूतली-बहरोड़ नया जिला बनने के बाद कोटपूतली में जमीनों की बिक्री को नई उड़ान मिली है। लोग यहां आवासीय के साथ-साथ कॉमर्शियल भूखंडों में भी निवेश कर रहे हैं। रिटायर्ड कानूनगो विजय शर्मा का कहना है कि जमीन पर निवेश इस समय सबसे सुरक्षित और फायदेमंद माना जा रहा है। बैंक जमा, सोने की खरीद या दूसरे निवेश विकल्पों की तुलना में जमीन पर लगाया गया पैसा ज्यादा लाभ दे रहा है। यही वजह है कि लोग अपनी जमा पूंजी को जमीन में निवेश करने लगे हैं। खासकर नए विकसित इलाकों में आवासीय और कॉमर्शियल दोनों ही भूखंडों की मांग बढ़ रही है। डीआईजी स्टांप संजय गोयल ने बताया कि अप्रेल और मई में पंजीकरण की संख्या में अच्छी बढ़ोतरी दर्ज हुई। सरकार ने रेवेन्यू टारगेट 1400 करोड़ रुपए रखा है, जिसे पूरा करने की पूरी उम्मीद है। सरकार के मुताबिक इस रफ्तार से प्रॉपर्टी का बूम लंबे समय तक जारी रहने की संभावना है। शहरों के विस्तार के साथ जमीनों के दाम और निवेश में इजाफा होता जा रहा है, जिससे रियल एस्टेट सेक्टर फिर से प्रदेश की अर्थव्यवस्था का बड़ा आधार बनता दिख रहा है।

निर्जला एकादशी पर प्याऊ शिविर लगाकर पुण्य कमाया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

दो एकादशी तिथियां होने से शनिवार को निर्जला एकादशी पर कस्बे में धार्मिक और सेवा भाव का अद्भुत संगम देखने को मिला। पुराने बस स्टैंड भगत सिंह सर्किल पर व्यापारियों ने मीठे शरबत की प्याऊ लगाकर उपभोक्ताओं और राहगीरों को राहत पहुंचाई। इस सेवा कार्य से पुण्य लाभ कमाने का अवसर मिला। दिनभर कस्बे में मंदिरों में दान-पुण्य के कार्यक्रम हुए, तो वहीं जगह-जगह प्याऊ लगाकर लोगों की प्यास बुझाई गई। निर्जला एकादशी को भक्ति, आत्मसंयम और तप का प्रतीक माना जाता है। इसी भावना से प्रेरित होकर व्यापारियों और समाजसेवियों ने प्याऊ शिविर आयोजित किए। भीषण गर्मी और तपती दोपहर में यात्रियों, राहगीरों और श्रद्धालुओं को ठंडा पेयजल, मीठा शरबत और ठंडाई पिलाकर धर्म लाभ अर्जित किया गया। इस अवसर पर व्यापारिक संगठनों ने शिविर में दिनभर पानी और शरबत का वितरण जारी रखा। व्यापारिक संगठन के सदस्यों लक्ष्मण खंडेलवाल, अजीत जैन, सुरेन्द्र खंडेलवाल, लोकेश गुप्ता और अनूप सिंह ने बताया कि आज एकादशी के मौके पर भगत सिंह सर्किल पर व्यापारियों ने सामूहिक निर्णय लेकर प्याऊ लगाई। इसमें सभी व्यापारियों ने रचनात्मक योगदान दिया। सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चले आयोजन में पहले चरण में मीठा शरबत और फिर दूसरे चरण में ठंडाई पिलाई गई। प्याऊ पर राहगीरों की लंबी कतारें देखी गईं। दुकानदारों ने भी इस सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कस्बे के प्रमुख मंदिरों में दिनभर दान-पुण्य का दौर चला। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के बाद निर्जला उपवास का महत्व बताया। इधर, प्याऊ शिविर में सामाजिक समरसता का सुंदर दृश्य नजर आया। व्यापारियों की इस सेवा से राहगीरों ने राहत की सांस ली। निर्जला एकादशी के पुण्य पर्व पर यह आयोजन न सिर्फ प्यास बुझाने का जरिया बना, बल्कि समाज में सहयोग और सद्भाव का संदेश भी दे गया।

ट्रक ने मारी टक्कर, युवक की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

एमआईए थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम ट्रक की टक्कर से 31 वर्षीय सोनू धानक की मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। सोनू निवासी शेखपुर, नारनौल (हरियाणा) अपने साथी रविंद्र के साथ फैक्ट्री से बाहर दुकान की तरफ जा रहा था। तभी ट्रक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए सोनू को कुचल दिया। घायल सोनू को तुरंत सामान्य अस्पताल अलवर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दी और शव का पोस्टमार्टम करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। मृतक के परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं।

नयाबास ईदगाह में अदा की गई विशेष नमाज, देश में अमन-चैन की दुआ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शहर में शनिवार को मुस्लिम समाज ने ईदुलजुहा (बकरीद) का पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया। नयाबास स्थित ईदगाह में सुबह विशेष नमाज अदा की गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। नमाज के दौरान देश में अमन-चैन, सौहार्द और भाईचारे की दुआ मांगी गई। सुबह से ही ईदगाह में समाज के लोग एकत्रित होने लगे थे। निर्धारित समय पर नमाज अदा करने के बाद एक-दूसरे को गले लगाकर पर्व की मुबारकबाद दी। इस दौरान बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में खासा उत्साह नजर आया। मुस्लिम समाज के लोगों ने कहा कि ईदुलजुहा कुर्बानी और सेवा भाव का प्रतीक पर्व है। हमें अपने जीवन में आपसी प्रेम, सौहार्द और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना चाहिए। पर्व पर प्रशासन ने भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। जिला कलक्टर आर्तिका शुक्ला ने सभी उपखंड अधिकारियों और तहसीलदारों को उनके क्षेत्रों के लिए कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि संवेदनशील व अतिसंवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए। अधिकारी बिना पूर्व अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। ईदगाह में नमाज अदा करने के बाद समाज के लोगों ने देश में शांति और भाईचारे के लिए दुआ की। पूरे कार्यक्रम के दौरान माहौल शांतिपूर्ण और उल्लासपूर्ण रहा।

आईसीयू में महिला मरीज के साथ रेप का आरोपी नर्सिंगकर्मी सस्पेंड, मरीजों के बयान दर्ज करेगी पुलिस

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर के ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती महिला मरीज के साथ बलात्कार के आरोपित नर्सिंगकर्मी सुभाष गठाला को कॉलेज प्रशासन ने निलंबित कर दिया है। कॉलेज के डीन प्रो. असीमदास ने बताया कि पुलिस द्वारा मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है और सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग भी जल्द सौंप दी जाएगी। शनिवार को पुलिस ने आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराया और फिलहाल उसे निगरानी में रखा गया है। रविवार को हॉस्पिटल के कर्मचारियों के बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया जाएगा। घटना के समय आईसीयू में 8 बेड में 7 मरीज भर्ती थे, जिनमें 3 महिला मरीज भी शामिल थीं। सभी मरीजों के डिस्चार्ज होने के कारण पुलिस ने हॉस्पिटल प्रशासन से मरीजों का विवरण मांगा है। पुलिस इन मरीजों के भी बयान दर्ज करेगी। गौरतलब है कि पीड़िता 4 जून को ऑपरेशन के बाद आईसीयू में भर्ती हुई थी। पीड़िता ने आरोप लगाया कि रात के समय नर्सिंगकर्मी ने उसके साथ बलात्कार किया। घटना के बाद हॉस्पिटल परिसर में आक्रोश व्याप्त है। पुलिस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है और हॉस्पिटल की आंतरिक जांच समिति भी गठित की गई है। घटना की निंदा करते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा के नेतृत्व में डीन से मिला और आईसीयू का निरीक्षण किया। जिला प्रवक्ता रिपुदमन गुप्ता ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने इस घटना की निष्पक्ष जांच और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। आईसीयू में हुए इस जघन्य अपराध ने अस्पताल प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब तक आरोपी नर्सिंगकर्मी को निलंबित कर दिया गया है, लेकिन घटना के बाद अस्पताल में सुरक्षा और संवेदनशीलता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मामले की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

नारायणपुर में कन्या महाविद्यालय के लिए भूमि आवंटित, बेटियों की शिक्षा को मिलेगी नई उड़ान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

बेटियों की उच्च शिक्षा को नई दिशा देने के लिए नारायणपुर में राजकीय कन्या महाविद्यालय को स्थायी भूमि आवंटित कर दी गई है। राजस्थान की पूर्ववर्ती सरकार की बजट घोषणा वर्ष 2023-24 के तहत इस महाविद्यालय की स्थापना की गई थी। दो वर्षों से यह महाविद्यालय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भवन के तीन कमरों में संचालित हो रहा था। सीमित संसाधनों के बावजूद यहां की छात्राएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही थीं, लेकिन अब एक सुव्यवस्थित व स्थायी परिसर का सपना साकार हो रहा है। क्षेत्रीय विधायक देवीसिंह शेखावत के प्रयासों से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के पीछे स्थित 1.82 हेक्टेयर भूमि महाविद्यालय के लिए आवंटित कर दी गई है। इस निर्णय के बाद कस्बे सहित आसपास की बेटियों को न सिर्फ उच्च शिक्षा का अवसर मिलेगा, बल्कि उन्हें सुरक्षित और सुविधाजनक शैक्षणिक माहौल भी उपलब्ध होगा। ग्रामीणों का कहना है कि अब छात्राओं को बाहर शहरों में पढ़ाई के लिए नहीं जाना पड़ेगा और वे अपने गांव में ही आगे की पढ़ाई कर सकेंगी। इस उपलब्धि को लेकर क्षेत्रवासियों ने विधायक देवीसिंह शेखावत का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह फैसला आने वाली पीढ़ियों के लिए शिक्षा का मजबूत आधार बनेगा और बेटियों के सपनों को नई उड़ान देने में सहायक होगा। विधायक शेखावत ने कहा कि कन्या महाविद्यालय को स्थायी भूमि मिलने से क्षेत्र को गौरवपूर्ण क्षण मिला है। उन्होंने यह भी बताया कि भवन निर्माण कार्य शीघ्र ही प्रारंभ होगा, जिससे छात्राओं को एक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और आधुनिक शैक्षणिक परिसर में पढ़ाई का मौका मिलेगा। विधायक ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा को लेकर सरकार और प्रशासन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि हर बेटी को बेहतर शिक्षा और विकास के अवसर मिलेंगे। इस भूमि आवंटन से नारायणपुर और आसपास के क्षेत्र की बेटियों को न केवल उच्च शिक्षा के द्वार खुलेंगे, बल्कि उनके आत्मविश्वास और स्वावलंबन को भी नया आयाम मिलेगा।

नेहड़ा उत्थान व विकास मंच ने कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीना को सौंपा ज्ञापन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा थानागाजी

नेहड़ा उत्थान व विकास मंच के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को राजस्थान सरकार के कृषि राज्य मंत्री किरोड़ी लाल मीना से मुलाकात कर राजकीय माडा बालिका छात्रावास की भूमि की पैमाइश कराकर उसे अतिक्रमण मुक्त कराने समेत कई मांगों का ज्ञापन सौंपा। मंच के पदाधिकारियों ने छात्रावास में अतिरिक्त कमरों के निर्माण, बालक छात्रावास के लिए भूमि आवंटन प्रक्रिया शीघ्र पूरी कराने और अन्य समस्याओं का समाधान करने की अपील की। ज्ञापन सौंपने के दौरान मंच अध्यक्ष एडवोकेट रत्नेश कुमार मेवाल बाछड़ी, प्रवक्ता सियाराम मीना सहित अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीण मौजूद थे। उन्होंने बताया कि बालिका छात्रावास की भूमि को लेकर कई बार एसडीएम, अतिरिक्त जिला कलेक्टर अलवर और स्थानीय विधायक को ज्ञापन दिया गया, लेकिन समस्या अब तक जस की तस बनी हुई है। अतः इस मामले में मंत्री का ध्यान आकर्षित कर शीघ्र कार्यवाही की मांग की गई। मंच ने बताया कि छात्रावास के मुख्य गेट से मुख्य सड़क तक दोनों ओर गाड़ियों के लोहारों का डेरा है, जो बालिकाओं के लिए आने-जाने में परेशानी और असुरक्षा का कारण बन रहा है। गाड़ियों के लोहार शराब पीकर अभद्र व्यवहार करते हैं, जिससे छात्राओं में भय बना रहता है। इसका तत्काल समाधान करने की आवश्यकता बताई गई। इसके अतिरिक्त बालिका छात्रावास में ठहरने के संसाधनों की कमी, शिक्षण सामग्री की अपर्याप्तता, लाइब्रेरी एवं खेल मैदान की आवश्यकता, तथा कमरों की संख्या बढ़ाने की मांग की गई। मंच ने कहा कि 8 से 10 अतिरिक्त कमरे बनवाकर छात्रावास की क्षमता कम से कम 50 से अधिक छात्राओं के लिए बढ़ाई जानी चाहिए। बालक छात्रावास के लिए जमीन आवंटन की पत्रावली जो जयपुर डीएलबी में लंबित है, उसको जल्द निकाला जाए ताकि बालकों के लिए भी छात्रावास निर्माण हो सके। यह ज्ञापन मंत्री को उदयनाथ धाम पर कार्यक्रम के दौरान दिया गया। इस मौके पर मंच के पदाधिकारी एवं ग्रामीणों ने कृषि मंत्री से समस्याओं के स्थायी समाधान की उम्मीद जताई है।

खैरथल में ट्रक ने बाइक सवार किसान को कुचला: मौके पर मौत, ड्राइवर फरार, सीसीटीवी जांच शुरू

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल

खैरथल के किशनगढ़बास रोड पर रीको क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। शराब ठेके के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार सुंदर भड़ाना (36) को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक जटियाना गांव का निवासी था और किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। खैरथल थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए शव को सैटेलाइट अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। परिजनों द्वारा शव की पहचान के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी गई है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जा रही है ताकि चालक की पहचान हो सके। सुंदर भड़ाना के परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा हैं, जो इस हादसे से गहरे सदमे में हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से दो मांगें रखी हैं पहली, फरार ट्रक चालक को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए; दूसरी, पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। इस हादसे ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है, और लोग सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं। पुलिस ने मामले में जांच तेज कर दी है और जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

ई-रिक्शा से जंगल में लेजाकर 2 नाबालिग भाइयों के मोबाइल छीन ले गए तीन बदमाश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

एनईबी थाना क्षेत्र में लूटपाट की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। शुक्रवार रात करीब 9.15 बजे तीन बदमाशों ने ई-रिक्शा में सवार होकर दो नाबालिग भाइयों को रजवट के सुनसान जंगल में ले जाकर उनके दो मोबाइल और नगदी छीन ली। बदमाशों ने बच्चों को डराया-धमकाया और फिर जंगल में छोड़कर भाग गए। घटना की रिपोर्ट के मुताबिक 17 वर्षीय यूनिस पुत्र अरशद निवासी घासोली थाना किशनगढ़बास ने बताया कि वह और उसका भाई रोहिन अग्रसेन ओवरब्रिज के नीचे खड़े होकर किशनगढ़बास जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान रात करीब 8.48 बजे एक ई-रिक्शा आया, जिसमें तीन लोग सवार थे। ई-रिक्शा चालक ने कहा कि आगे कोई वाहन नहीं मिलेगा, वह उन्हें ट्रांसपोर्ट नगर तक छोड़ देगा, जहां से किशनगढ़बास के लिए वाहन मिल जाएगा। दोनों भाई ई-रिक्शा में बैठ गए। ई-रिक्शा चालक ने एरोड्रम रोड होते हुए राजकीय बाबू शोभाराम कॉलेज ओवरब्रिज के नीचे पहुंचकर उन्हें उतार दिया। कुछ देर बाद वही ई-रिक्शा चालक और उसके साथी वापस आए और बोले कि ट्रांसपोर्ट नगर छोड़ देंगे। दोबारा दोनों भाई ई-रिक्शा में बैठ गए। इसके बाद ई-रिक्शा चालक ने उन्हें दाऊदपुर रेलवे फाटक ले जाकर एक और आदमी को साथ बैठा लिया। चारों ने बच्चों को रजवट मैदान के सुनसान इलाके में ले जाकर मोबाइल और नगदी लूट ली। घटना के बाद बच्चे किसी तरह जंगल से बाहर आए और ई-रिक्शा का नंबर आरजे-02 ईपी 2758 नोट कर लिया। थानाधिकारी दिनेश मीणा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और ई-रिक्शा चालक समेत बदमाशों की तलाश जारी है। गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले भी कार सवार तीन बदमाशों ने 60 फुट रोड पर रात 2.30 बजे ड्यूटी से लौट रहे स्कूटी सवार 60 वर्षीय गोकुल प्रसाद शर्मा से पिस्टल की नोक पर मोबाइल और नगदी लूट ली थी। इलाके में लगातार हो रही वारदातों ने पुलिस की गश्त व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बिना सूचना के बंद की खाटूश्याम जी बस सेवा, श्रद्धालु परेशान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

रोडवेज ने बिना किसी पूर्व सूचना के अलवर से खाटूश्याम जी जाने वाली बस सेवा को अचानक बंद कर दिया, जिससे श्रद्धालुओं को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। 6 जून को निर्जला एकादशी के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु खाटूश्याम जी जाने के लिए अलवर बस स्टैंड पहुंचे, लेकिन उन्हें बस सेवा के बंद होने की जानकारी मौके पर ही मिली। अलवर आगार से रोज सुबह 9.05 बजे बस खाटूश्याम जी के लिए रवाना होती थी और दोपहर 2 बजे पहुंचती थी। वापसी में शाम 4 बजे खाटूश्याम जी से चलकर रात 9 बजे अलवर लौटती थी। इस बस सेवा को रोडवेज ने 2 जून से अचानक बंद कर दिया। यात्रियों का कहना है कि इस सेवा से उन्हें सुबह जाकर शाम को वापस लौटने की सुविधा मिलती थी। लेकिन बस सेवा के अचानक बंद होने से उन्हें जयपुर या शाहपुरा जाकर बस पकड़नी पड़ी, जिससे यात्रा का खर्च और समय दोनों बढ़ गया। मुख्य प्रबंधक सपना मीणा ने बताया कि बस सेवा को कम आय के कारण बंद किया गया है। रोडवेज मुख्यालय के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, यदि किसी बस की आय 35 रुपए प्रतिकिलोमीटर से कम हो तो उसका संचालन बंद करना होता है। अलवर आगार की खाटूश्याम जी बस की आय महज 25 रुपए प्रतिकिलोमीटर आ रही थी। इसी वजह से इसे बंद करना पड़ा। उन्होंने बताया कि एकादशी के दिन विशेष व्यवस्था के तहत दिल्ली जाने वाली एक बस को खाटूश्याम जी भेजा गया था, जिसमें 40 श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं का कहना है कि रोडवेज को कम से कम एकादशी और द्वादशी जैसे विशेष दिनों पर बस सेवा जारी रखनी चाहिए। यदि नियमित रूप से बस नहीं चलाई जा सकती है, तो भी विशेष अवसरों पर अस्थायी सेवा बहाल की जाए, जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके। श्रीमाधोपुर आगार से चलने वाली दूसरी बस भी खाटूश्याम जी जाने के बाद श्रीमाधोपुर लौट जाती है, जिससे यात्रियों को सीधी बस सेवा नहीं मिल पाती और उन्हें जयपुर या शाहपुरा होते हुए अलवर आना पड़ता है। बस सेवा के अचानक बंद होने से श्रद्धालुओं में रोष है और उन्होंने इस व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रोडवेज को इस रूट पर फिर से बस सेवा शुरू करनी चाहिए, ताकि यात्रियों को परेशानी से बचाया जा सके।

काम से लौटते वक्त ऑपरेटर की सड़क हादसे में मौत, कंपनी से सभी सुविधाएं देने की मांग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा शाहजहांपुर

जिले के शाहजहांपुर हाईवे स्थित यूनाइटेड ब्रेवरीज़ कंपनी के एक ऑपरेटर कौशल कुमार की शुक्रवार देर रात सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए परिजन और साथी श्रमिकों ने मृतक का शव कंपनी के गेट के सामने रखकर जोरदार प्रदर्शन किया और उचित मुआवजे की मांग की। प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू में कर शव को मोर्चरी में रखवाया। शनिवार को भी श्रमिकों ने कंपनी में काम बंद रखकर अपनी मांगों पर अड़ जाना जारी रखा। शाहजहांपुर थानाधिकारी मनोहरलाल मीना ने श्रमिकों से बातचीत कर कंपनी प्रबंधन और यूनियन के बीच वार्ता कराई। वार्ता के बाद कंपनी यूनियन अध्यक्ष योगेश शर्मा की मध्यस्थता में प्रबंधन ने मृतक के परिवार को कंपनी की ओर से सभी निर्धारित सुविधाओं सहित 17.23 लाख रुपये की राशि देने का आश्वासन दिया। साथ ही मृतक की पत्नी हेमा को कंपनी में मृतक के वेतनमान के अनुसार नौकरी देने पर सहमति बनी। पुलिस ने बताया कि मृतक श्रमिक कौशल कुमार, पुत्र अजय कुमार, निवासी भरपुरा, जिला मिर्जापुर, जो ऑपरेटर के पद पर कंपनी में कार्यरत था, काम से लौटते समय हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक से गिर गया और उसकी मौत हो गई। शव का पोस्टमार्टम शनिवार सुबह करा परिजनों को सौंप दिया गया। प्रदर्शन के दौरान मृतक के पिता अजय कुमार, माता राधा, पत्नी हेमा, यूनियन अध्यक्ष योगेश शर्मा, महामंत्री महेंद्र यादव, उपाध्यक्ष प्रमोद, हनुमान, संजय, भगवान सहाय, कैलाश समेत अन्य श्रमिक मौजूद थे। इस घटना ने श्रमिकों में गहरा आक्रोश पैदा कर दिया है, जो कंपनी से न्यायपूर्ण मुआवजे और परिवार के सदस्यों के भविष्य की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं।

जिला खैरथल-तिजारा में वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत गौशाला स्वच्छता एवं पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

श्री किशन लाल शास्त्री धर्मार्थ गौशाला, तातारपुर में आज प्रात: 9 बजे "वंदे गंगा जल संरक्षण - जन अभियान" के अंतर्गत एक जिला स्तरीय गौशाला स्वच्छता एवं पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान गौशाला परिसर के समस्त बाड़ों व जलाशयों (पानी की टंकियों) की साफ-सफाई की गई। साथ ही हरियालो राजस्थान अभियान के तहत विभिन्न प्रकार के छायादार व औषधीय पौधों का पौधारोपण भी किया गया, जिससे पर्यावरण को संरक्षण मिल सके। इस अवसर पर एक संगोष्ठी का भी आयोजन हुआ, जिसमें जल संरक्षण, पशु कल्याण और अधिकाधिक वृक्षारोपण पर बल दिया गया। वक्ताओं ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे जल स्रोतों को संरक्षित करें और खुले स्थानों पर पौधे लगाकर उनकी देखरेख करें। कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के उपनिदेशक हवासिंह जाट ने जल संरक्षण व स्वच्छता अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गौशालाएं केवल पशुओं का आश्रय नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन और संस्कृति का अहम हिस्सा हैं। इनकी स्वच्छता और हरियाली से पूरे क्षेत्र को सकारात्मक संदेश जाता है। गौशाला प्रभारी डॉ. सुरेश जाट भी मौके पर उपस्थित रहे और उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। विशेष रूप से राजस्थान पशु चिकित्सा विभाग खैरथल-तिजारा के अध्यक्ष डॉ. पी.सी. यादव ने 'वंदे गंगा अभियान' से संबंधित लोगो वाली 50 टोपी वितरित कर जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया। उन्होंने गौशालाओं को जल एवं स्वच्छता संरक्षण का प्रमुख केंद्र बनाने का आह्वान भी किया। इस अभियान से प्रेरणा लेकर ग्रामीणों ने स्वयं भी अपने घरों एवं खेतों में जल बचाने और पौधारोपण करने का संकल्प लिया। यह अभियान पूर्व सरपंच एवं गौशाला संरक्षक श्री शुभराम चौधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें गौशाला कार्यकारिणी सदस्य, पशुपालन विभाग खैरथल-तिजारा के अधिकारी एवं कर्मचारीगण, ग्राम पंचायत तातारपुर के प्रतिनिधि तथा ग्रामीणजन सम्मिलित हुए।

भिवाड़ी में युवक का अपहरण और मारपीट: कपड़े उतारकर वीडियो बनाया, हथियार थमाकर फंसाने का आरोप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टपूकड़ा

भिवाड़ी के टपूकड़ा थाना क्षेत्र में हरियाणा के नूंह जिले के चुंदिका गांव निवासी मुस्तफा के साथ अपहरण और मारपीट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मुस्तफा ने टपूकड़ा थाने में दर्ज शिकायत में बताया कि 4 जून की रात 8.30 बजे वह अपने दोस्त आमिर के साथ बाइक से टपूकड़ा आया था। खोरी के जंगलों में सोहेल, सफेद, वसीम और सोहेब ने उनकी बाइक रोककर मोबाइल छीन लिया और जंगल में ले जाकर मारपीट की, जिससे वह बेहोश हो गया। होश आने पर कमरूदीन और उसका बेटा दिलशाद भी वहां मौजूद थे। आरोपियों ने मुस्तफा को फॉर्च्यूनर कार में खोरी गांव ले जाकर पेड़ से बांधकर पीटा। इसके बाद साहुन और बुदीन ने उसे काली क्रेटा कार में खेतों में ले जाकर अश्लील वीडियो बनाया। फिर स्विफ्ट डिजायर कार में कमरूदीन के घर ले जाकर जबरन देसी रिवॉल्वर और कारतूस थमाकर वीडियो बनाया ताकि उसे फंसाया जा सके। रात 2 बजे आरोपियों ने पुलिस को बुलाकर मुस्तफा और आमिर को हिरासत में दिलवा दिया। टपूकड़ा थानाधिकारी राजीव शर्मा ने बताया कि तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और बाकी की तलाश जारी है। पुलिस ने अपहरण, मारपीट और लूटपाट का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जल्द ही मामले का खुलासा करने का दावा किया गया है।

भिवाड़ी में पेड़ से लटका मिला शव: श्रद्धालुओं ने दी सूचना, पुलिस शिनाख्त में जुटी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी के जोहड़ क्षेत्र में शनिवार सुबह बाबा मोहनराम काली खोली धाम के पास एक पेड़ पर अज्ञात व्यक्ति का शव लटका मिला। मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने शव को देखा और तुरंत भिवाड़ी थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एसआई पुनीत शर्मा और हेड कांस्टेबल हवा सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पेड़ से उतारकर भिवाड़ी के जिला अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन मृत्यु के सटीक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही चल सकेगा। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। भिवाड़ी थाना पुलिस शव की शिनाख्त के लिए आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटा रही है और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शव की स्थिति के आधार पर आत्महत्या की आशंका प्रबल है, लेकिन सभी संभावनाओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। मृतक की पहचान और घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने स्थानीय समुदाय और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच शुरू कर दी है। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है, और लोग मामले की सच्चाई जानने को उत्सुक हैं।

एसपी बंगले के पास से कार के दो टायर चुराए, पुलिस की गश्त व्यवस्था पर सवाल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शहर में चोर गिरोह के हौसले इस कदर बढ़ गए हैं कि पुलिस की मौजूदगी और एसपी निवास के नजदीक भी वारदातें करने से नहीं हिचक रहे। शुक्रवार रात करीब ढाई बजे एसपी निवास की दीवार से सटी सड़क पर खड़ी एक कार के दो टायर चोर खोलकर ले गए। सीसीटीवी फुटेज में चार संदिग्ध बदमाश दिखाई दिए, जिनमें से दो ने अपने चेहरे रूमाल से ढके हुए थे। घटना के बाद कोतवाली थाना पुलिस संदिग्ध बदमाशों की तलाश में जुट गई है, लेकिन पुलिस गश्त पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कार मालिक गौतम कुमार खत्री ने बताया कि वह इंदिरा कॉलोनी निवासी है और शुक्रवार रात अपनी कार एसपी बंगले के पास खड़ी की थी। शनिवार सुबह करीब सात बजे स्थानीय लोगों ने उसे बताया कि कार के दोनों टायर गायब हैं। कार के नीचे ईंट व पत्थर लगाकर चोरों ने टायर निकाल लिए थे। घटना की सूचना मिलने पर कार मालिक ने पुलिस कंट्रोल रूम को फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मुआयना किया, लेकिन चोरों का अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं और फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान की कोशिश जारी है। फुटेज में चार युवक दिख रहे हैं, जो बाइक से आए और कुछ ही मिनटों में कार के दोनों टायर खोलकर ले गए। इस घटना ने पुलिस की रात्रि गश्त पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। इंदिरा कॉलोनी के निवासियों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। बीते फरवरी में भी बदमाशों ने एसपी निवास के पास स्थित सरकारी बोरिंग का पैनल और बिजली केबल चोरी कर ली थी। स्थानीय निवासी राजेंद्र मीणा ने बताया कि इंदिरा कॉलोनी में चोर गिरोह सक्रिय है और आए दिन बाइक चोरी सहित अन्य वारदातों को अंजाम दे रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस को कई बार इस गिरोह की गतिविधियों की सूचना दी गई है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। वहीं पुलिस ने आश्वासन दिया है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों को जल्द पकड़ लिया जाएगा। इस वारदात ने शहरवासियों को एक बार फिर असुरक्षित माहौल का अहसास कराया है। लोग पूछ रहे हैं कि जब एसपी निवास के पास ऐसी घटनाएं हो रही हैं, तो आम आदमी की सुरक्षा व्यवस्था का क्या हाल होगा? कोतवाली थाना पुलिस ने बताया कि इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और बदमाशों को पकड़ने के लिए टीम को लगाया गया है। वहीं स्थानीय लोग पुलिस की गश्त व्यवस्था और सतर्कता पर सवाल उठा रहे हैं।

तिजारा शाही ईदगाह में अदा की गई ईद-उल अजहा की नमाज: इमरान खान ने दी ईद की मुबारकबाद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा में ईद-उल अजहा का त्योहार उत्साह के साथ मनाया गया। शनिवार की सुबह तिजारा कस्बे में स्थित शाही ईदगाह में मौलाना अब्दुल सलाम ने नमाज़ अदा कराई। हजारों लोगों ने देश की सलामती के लिए दुआएं मांगी। नमाज के बाद कांग्रेस प्रत्यासी इमरान खान ने मिठाई खिलाकर ईद की मुबारकबाद दी और कहा कि ईद-उल-अजहा का त्योहार हमारे लिए सिर्फ एक धार्मिक अवसर नहीं, बल्कि मोहब्बत और मेलजोल का भी पैगाम है त्याग और बलिदान का पर्व है बुराई को खत्म कर अच्छाई का पर्व है और साथ ही उन्होंने लोगों से कुर्बानी के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने और जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय देने की अपील की तथा ईद के पर्व पर तेज गर्मी में प्रशासन भी सतर्क रहा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे इस ईद के मौके पर कांग्रेस प्रत्यासी इमरान खान, डीएसपी साहब, एडवोकेट सहरु दीन, सालीम हुसैन, पूर्व अकरम सरपंच, उमरदीन मिस्त्री, एडवोकेट रफ़सन ताहिर लंबरदार, इरशाद सेकेट्री, कारी सईद अहमद, नसीम खान आदि लोग मौजूद थे द्य

भिवाड़ी में सितंबर में लघु उद्योग मेला: 400 से अधिक स्टॉल, वोकल फॉर लोकल को मिलेगा बढ़ावा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रोत्साहन देने के लिए 19 से 21 सितंबर 2025 तक मेला ग्राउंड में "12वां आईआईएफ- गेटवे टू इंडस्ट्रियल राजस्थान" का आयोजन होगा। यह तीन दिवसीय मेला मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल पहल को बढ़ावा देने का एक प्रमुख मंच साबित होगा। लघु उद्योग राजस्थान द्वारा आयोजित इस मेले में 400 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां अपने नवीन उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन करेंगी। जिला औद्योगिक केंद्र, भिवाड़ी इस आयोजन का सहयोगी भागीदार है। शनिवार को आयोजित एक बैठक में मेले की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस दौरान लघु उद्योग राजस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश गुप्ता, जयपुर अंचल अध्यक्ष सुधीर गर्ग सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने के लिए 11 समितियों का गठन किया गया, जिनका नेतृत्व भिवाड़ी के प्रमुख उद्योगपति सुनील मित्तल, सरजीत यादव, वीरल महिपाल गर्ग, मुकेश शर्मा, मीना जैन और अन्य करेंगे। ये समितियां मेले के विभिन्न पहलुओं जैसे स्टॉल व्यवस्था, प्रचार और अतिथि प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेंगी। यह मेला भारतीय उद्यमियों की रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता को प्रदर्शित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा। लघु उद्योग राजस्थान का मुख्य लक्ष्य स्थानीय उद्योगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, उनकी पहचान को वैश्विक मंच पर स्थापित करना और उनकी लोकप्रियता बढ़ाना है। आयोजकों का मानना है कि यह मेला भिवाड़ी के लघु उद्योगों को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में पहचान दिलाएगा।

राजीव गांधी अस्पताल की लिफ्ट 20 दिन से बंद, गंभीर मरीज सीढ़ियां चढ़ने को मजबूर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय की एकमात्र लिफ्ट 20 दिनों से बंद पड़ी है, जिससे गंभीर, बुजुर्ग और दिव्यांग मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लिफ्ट बंद होने के चलते मरीजों और उनके परिजनों को वार्डों तक पहुंचने के लिए मजबूरन सीढ़ियों का सहारा लेना पड़ रहा है। अस्पताल के रामाश्रय, मेडिकल, कैंसर कीमोथैरेपी और हेमोडायलिसिस वार्ड पहली मंजिल पर स्थित हैं, जहां गंभीर मरीजों को जाने में खासी दिक्कत हो रही है। लिफ्ट अक्टूबर 2023 में लगाई गई थी, लेकिन यह पहले भी कई बार खराब हो चुकी है। नवंबर 2024 और जनवरी 2025 में भी इस लिफ्ट ने काम करना बंद कर दिया था, जिससे हर बार मरीजों को सप्ताहभर की परेशानी झेलनी पड़ी। अस्पताल प्रशासन ने 13 मई को लिफ्ट की मरम्मत के लिए 3 लाख रुपए यूआईटी को ट्रांसफर किए थे। यह राशि तीन साल के वार्षिक रखरखाव अनुबंध के तहत दी गई थी। बावजूद इसके मरम्मत कार्य अब तक शुरू नहीं हो सका है। अस्पताल परिसर में रैंप तो बना है, लेकिन मरीजों को व्हीलचेयर या ट्रॉली पर ले जाने के लिए पर्याप्त स्टाफ की कमी है। इस वजह से मरीजों को परिजनों की मदद से सीढ़ियां चढ़कर वार्ड तक जाना पड़ता है। खासतौर पर सांस की बीमारी और बुजुर्ग मरीजों को इस स्थिति में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल के पीएमओ डॉ. सुनील चौहान ने बताया कि तीन साल की देखरेख के लिए राशि यूआईटी को उपलब्ध करवा दी गई थी। उन्होंने कहा, "रिमाइंडर भी भेज दिए गए हैं। यूआईटी के अधिकारी जल्द मरम्मत कराने की बात कह रहे हैं। पिछले दिनों राजमेस की ओर से आए निरीक्षण दल के अधिकारियों ने भी लिफ्ट को सही कराने के निर्देश दिए थे। हमने उन्हें बताया कि इसके लिए पैसा दिया जा चुका है, लेकिन अब तक लिफ्ट दुरुस्त नहीं की गई।" आरएमआरएस की बैठक में लिफ्ट के नियमित रखरखाव के लिए प्रस्ताव पास कर राशि स्वीकृत की गई थी। एक साल का पुराना अनुबंध खत्म होने के बाद ही नया तीन साल का अनुबंध किया गया। इसके अलावा, अस्पताल भवन के रखरखाव के लिए पीडब्ल्यूडी चौकी खोलने की योजना बनाई गई है। चौकी खुलने पर भवन की मरम्मत के लिए 2 प्रतिशत बजट का प्रावधान किया जाएगा। हालांकि सवाल यह उठता है कि जब अस्पताल में पीडब्ल्यूडी चौकी खोलने की योजना है, तो यूआईटी को ही मरम्मत राशि क्यों दी गई। इस पर अस्पताल प्रशासन का कहना है कि चौकी का आदेश आने से पहले ही यूआईटी को पैसा ट्रांसफर कर दिया गया था। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी मरम्मत कार्य को नजरअंदाज कर रहे हैं। लिफ्ट के बंद रहने से मरीजों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं, लेकिन अब तक इसका समाधान नहीं हो सका है। सवाल यह भी है कि आखिर कब तक मरीज और उनके परिजन इसी तरह सीढ़ियां चढ़कर वार्डों तक पहुंचने को मजबूर रहेंगे।

अलवर शहर में नालों की बदहाल हालत: मानसून में फिर होगी जलभराव की आफत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शहर में नालों की सफाई और पक्के निर्माण की लापरवाही एक बार फिर मानसून में लोगों के लिए परेशानी का सबब बनेगी। यूआईटी और नगर निगम की अनदेखी ने नालों की दशा को और बिगाड़ दिया है। नाले कच्चे पड़े हैं और सफाई का काम केवल कागजों तक सिमटा हुआ है। इससे मानसून में जलभराव की समस्या गंभीर रूप ले सकती है। यूआईटी ने नालों के निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं, लेकिन कई जगहों पर नाले अधूरे हैं। वैशाली नगर के बाद नाला अधूरा है और यहां पानी भरकर सड़क पर आ जाता है। शांति कुंज से आगे भी नाले का काम पूरा नहीं हुआ है, जिससे सड़क पर पानी जमा होता है। तूलेड़ा की ओर जाने वाले नाले में भी रुकावट है और सफाई न होने के कारण निकासी बाधित रहती है। नगर निगम की सफाई व्यवस्था भी सिर्फ कागजों पर दिख रही है। निगम हर महीने 23 लाख रुपये की लागत से सफाई का दावा करता है, लेकिन हकीकत कुछ और ही है। प्रीत विहार का नाला इसका उदाहरण है, जहां नाले के अंदर मिट्टी जमकर उसमें पौधे उग आए हैं। पिछले साल भी बारिश में नालों के जाम होने से जलभराव की समस्या खड़ी हो गई थी, इस बार भी हालात अलग नहीं दिख रहे हैं। शहर के बाहरी इलाकों में नालों की हालत और भी खराब है। गायवाला मोहल्ला का नाला चौड़ा है लेकिन कुम्हारों के मोहल्ला में आते-आते संकरा हो जाता है। होली ऊपर, सागर ऊपर जैसे पहाड़ी इलाकों का पानी सिद्धिपुरा नाले में पहुंचता है। एरोड्रम रोड पर एक साथ दो से चार नाले मिलने के कारण पानी रुकने लगता है और सड़कें लबालब हो जाती हैं। यूआईटी के एसई तैयब खां ने कहा कि वैशाली नगर के बाद नाले का पक्का निर्माण कराया जाएगा। शांति कुंज के आगे की ओर नाला बनाने के लिए जमीन की कमी है। ड्रेनेज व्यवस्था के लिए 10 करोड़ रुपये स्वीकृत कर दिए गए हैं और जल्द ही डीपीआर तैयार की जाएगी। वहीं, नगर निगम के एक्सईएन खेमराज मीणा ने बताया कि सफाई का ठेका 23 लाख रुपये प्रति महीने में दिया गया है और सफाई का काम हो रहा है। नालों के निर्माण की स्थिति की जानकारी लेकर जरूरी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, बारिश से पहले नालों की सफाई और मरम्मत नहीं होने से शहर के लोगों को इस बार भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। पानी की निकासी न होने से निचले इलाकों में जलभराव और सड़कों पर गंदगी फैलने का खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में उम्मीद यही की जा रही है कि बरसात शुरू होने से पहले नालों की सफाई और मरम्मत का काम तेज हो, ताकि शहर के लोग जलभराव से बच सकें।

रूस और यूक्रेन जंग चौथे वर्ष में प्रवेश कर गई है। हाल फिलहाल में इस जंग के खत्म होने के आसार नहीं दिखाई पड़ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी रूस व यूक्रेन जंग समाप्त कराने के अपने दावे में बुरी तरह फेल साबित हुए हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूरोप के आगे ट्रंप की रणनीति की एक न चली। यहां तक कि यूक्रेन तक ने घास नहीं डाली। ट्रंप के फैसले के बाद अमेरिका के उदासीन होने से नाटो में ही गहरे मतभेद उभर गए हैं। यूरोप जिस शिद्दत से यूक्रेन के साथ खड़ा हुआ है और अमेरिकी प्रभाव के बिना यूक्रेन ने रूस के खिलाफ ऑपरेशन स्पाइडर वेब को अंजाम दिया है, उसके बाद से स्थिति और उलझ गई है। रूस घायल शेर की तरह हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बातचीत में जवाबी हमले की बात कह कर रूस ने बड़ी ताकत से यूक्रेन के अंदर राजधानी कीव तक हमला किया है। यूक्रेन को भारी नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेन के ऑपरेशन स्पाइडर वेब के चलते ही तुर्किये में प्रस्तावित शांति वार्ता में रूस व यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम पर कोई बात नहीं हुई। अब सवाल है कि आखिर यह युद्ध चलता ही रहेगा? रूस या यूक्रेन में से शांति की पहल कौन करेगा? नाटो का क्या होगा? यूरोप से अलग अमेरिका कहां खड़ा है? क्या ट्रंप पुतिन को मना पाएंगे? जंग जारी रखने में यूरोप को क्या फायदा है? इन्हीं सब सवालों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

खतरनाक मोड़ पर यूक्रेन बनाम रूस जंग

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

युद्ध के मैदान में यूक्रेन की सेना रूस की सेना के मुकाबले में न केवल कामयाबी के साथ युद्धरत है, वरन् अनेक सैन्य संघर्षों में तो उसने रूसी सेना के छक्के छुड़ा दिए हैं। इन दुर्धर्ष और विकट सैन्य हालात से रूस की पुतिन सरकार बहुत अधिक तिलमिलाई हुई है। रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के अत्यधिक तीव्र हो जाने से भारत में भी गहन चिंता व्याप्त हो गई है। रूस की आक्रामक जवाबी सैन्य कार्रवाई से वैश्विक ऊर्जा के बाजार में अत्यधिक अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है, जिसके फलस्वरूप भारत के तेल आयात के बिल में अधिक वृद्धि हो सकती है। भारत में पहले से ही बढ़ी हुई महंगाई आसमान छू सकती है। डॉलर के मुकाबले कमजोर होता रुपया और अधिक कमजोर हो सकता है।

यूक्रेन और रूस के मध्य जारी युद्ध वस्तुतः फरवरी 2014 में ही प्रारम्भ हो गया था, जबकि रूसी सेना द्वारा क्रीमिया पर बलपूर्वक अपना सैन्य आधिपत्य स्थापित कर लिया गया। सर्वविदित है कि सोवियत संघ के पराभव के तत्पश्चात वर्ष 1991 में यूक्रेन सोवियत संघ से पृथक होकर एक स्वतंत्र राष्ट्र बन गया और क्रीमिया उसका अभिन्न अंग था। क्रीमिया को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा यूक्रेन के अभिन्न इलाके के तौर पर मान्यता प्राप्त है। रूस और यूक्रेन के मध्य विवाद प्रारंभ में क्रीमिया और डोनबास के कुछ क्षेत्र के आधिपत्य था। जब यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने नाटो सैन्य संगठन में शामिल होने का इरादा जाहिर किया तो फिर राष्ट्रपति पुतिन ने सख्त ऐतराज जाहिर किया और तर्क दिया कि यूक्रेन के नाटो में शामिल हो जाने के बाद नाटो की फौज रूस की सरहद तक आ जाएंगी। 22 फरवरी सन् 2022 में राष्ट्रपति पुतिन के नेतृत्व में रूस की सेना ने यूक्रेन पर अपनी संपूर्ण ताकत के साथ आक्रमण अंजाम दिया। प्रारंभ में ऐसा प्रतीत हुआ कि रूस की शक्तिशाली और विशाल सेना के समक्ष यूक्रेन की छोटी सी और अपेक्षाकृत कमजोर सेना कदाचित अधिक दिनों तक टिक नहीं पाएगी।

युद्ध से भारत में भी गहन चिंता व्याप्त

रणनीतिक कयास को एकदम गलत साबित करते हुए और अत्यधिक क्षति उठाने के बावजूद आज भी युद्ध के मैदान में यूक्रेन की सेना रूस की सेना के मुकाबले में न केवल कामयाबी के साथ युद्धरत है, वरन् अनेक सैन्य संघर्षों में तो उसने रूसी सेना के छक्के छुड़ा दिए हैं। इन दुर्धर्ष और विकट सैन्य हालात से रूस की पुतिन सरकार बहुत अधिक तिलमिलाई हुई है। रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के अत्यधिक तीव्र हो जाने से भारत में भी गहन चिंता व्याप्त हो गई है। रूस की आक्रामक जवाबी सैन्य कार्रवाई से वैश्विक ऊर्जा के बाजार में अत्यधिक अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है, जिसके फलस्वरूप भारत के तेल आयात के बिल में अधिक वृद्धि हो सकती है। भारत में पहले से ही बढ़ी हुई महंगाई आसमान छू सकती है। डॉलर के मुकाबले निरंतर कमजोर होता हुआ रुपया और अधिक कमजोर हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि हाल के कुछ वर्षों में रूस भारत को तेल निर्यात करने वाला सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता देश बन गया है। अप्रैल 2025 में भारत ने अपनी जरूरत का तकरीबन 40 फीसदी तेल रूस से आयात किया है। यूक्रेन और रूस के मध्य जारी सैन्य संघर्ष में अत्यंत तीव्रता आ जाने से युद्ध एक खतरनाक दौर में पहुंच गया है। यूक्रेन द्वारा ड्रोन आक्रमणों में रूसी वायु सेना के तकरीबन 40 लड़ाकू बमवर्षक विमानों को तबाह कर दिया गया। यूक्रेन की वायु सेना ने रूस के सरहदी इलाकों को रौंदते हुए हजारों किलोमीटर तक रूस के अंदर घुसकर पांच सैन्य ठिकानों पर भीषण आक्रमण अंजाम दिए। वहीं, अमेरिकन कूटनीतिक सूत्रों के हवाले से बताया गया कि अमेरिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मंजूरी के पश्चात ही यह भीषण आक्रमण यूक्रेन द्वारा अंजाम दिया गया था। आधिकारिक तौर पर यूक्रेन प्रशासन और अमेरिकन प्रशासन ने अपने अपने बयानों में फरमाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यूक्रेन के इस आक्रमण की कदाचित कोई जानकारी नहीं थी। यूक्रेन की सेना के भीषण आक्रमण का समुचित प्रति उत्तर देते हुए रूसी सेना द्वारा अभी तक का सबसे बड़ा आक्रमण यूक्रेन पर अंजाम दिया गया। बड़े पैमाने पर यूक्रेन पर किए गए आक्रमण में यूक्रेन की राजधानी कीव सहित यूक्रेन के अनेक प्रमुख शहरों को निशाना बनाया। जिसके फलस्वरूप यूक्रेनी सेना के अनेक ठिकाने नष्ट कर दिए गए और तकरीबन 1500 से अधिक सैनिकों को हलाक कर दिया गया।

युद्ध विराम करने की निरंतर अपीलें

रूस और यूक्रेन के मध्य यह भीषण युद्ध तब अंजाम दिया गया है, जबकि इस्तांबुल में रूस और यूक्रेन के मध्य शांति वार्ता आयोजित होने वाली है। उल्लेखनीय है कि प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस और यूक्रेन से युद्ध विराम करने की निरंतर अपीलें की जाती रही है। लेकिन रूस पर अंजाम दिए गए यूक्रेनी आक्रमण के बाद विकट प्रश्न खड़े हो गए हैं, कि एक तरफ तो प्रेसिडेंट ट्रंप दोनों देशों से युद्धविराम करने और शांति स्थापित करने की अपील कर रहे हैं और दूसरी तरफ यूक्रेन को रूस पर आक्रमण करने के लिए खुली छूट भी प्रदान कर रहे हैं। अमेरिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन रूस युद्ध को लेकर एक अत्यंत विवादित बयान दिया। प्रेसिडेंट ट्रंप ने फरमाया कि शायद यही बेहतर होगा कि दोनों देशों को कुछ वक्त तक और युद्धरत रहने दिया जाए। इसी मध्य जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने प्रेसिडेंट ट्रंप के साथ व्हाइट हाउस में मुलाकात की। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने अमेरिकन प्रेसिडेंट से रूस पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की अपील की। व्हाइट हाउस में फ्रेडरिक मर्ज से मुलाकात करते हुए प्रेसिडेंट ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन और रूस के मध्य गहरी नफरत और प्रतिशोध की भावना विद्यमान है। ऐसे हालात में दोनों देशों से युद्ध विराम की उम्मीद रखना बहुत मुश्किल है।

डोनाल्ड ट्रंप की कूटनीतिक टिप्पणी

ट्रंप ने कहा कि अच्छा ही है कि दोनों देश लगातार युद्धरत बने रहें, जैसे खेलों में रेफरी थोड़ी देर के लिए खिलाड़ी को आपस में भिड़ने देते हैं, ठीक वैसे ही दोनों देशों को देर तक लड़ने देना ही उचित होगा। उल्लेखनीय है कि प्रेसिडेंट ट्रंप की यह कूटनीतिक टिप्पणी, प्रेसीडेंशियलन इलेक्शन के दौरान उनके द्वारा किए गए वादे में बुनियादी बदलाव है, जिसके तहत उन्होंने कहा था कि यदि वह अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित हो जाएंगे तो फिर रूस-यूक्रेन युद्ध को अति शीघ्र समाप्त करा देंगे। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने आग्रह किया कि अमेरिका को युद्ध खत्म करने में अपनी निर्णायक भूमिका का निर्वाह करना चाहिए और रूस पर अत्यंत कड़ा कूटनीतिक दबाव कायम करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका इस स्थिति में है और वह भी यह चाहते हैं कि अमेरिका को रूस पर और अधिक कूटनीतिक दबाव डालना चाहिए। उल्लेखनीय है कि समस्त यूरोप भी यकीनन रूस-यूक्रेन युद्ध का समापन चाहता है। संपूर्ण यूरोप की अर्थव्यवस्था डगमगा चुकी है।

यूरोप के लिए ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत रूस

यूरोप के लिए ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत रूस ही रहा, जहां से यूरोप के लिए ऊर्जा की सप्लाई एकदम बंद हो गई है। प्रश्न यह भी उठ रहा है कि क्या यूक्रेन द्वारा आक्रमण करने के लिए अमेरिका सहित नाटो देशों ने सैटेलाइट्स द्वारा यूक्रेन को मदद प्रदान की है। अमेरिकन प्रशासन ने कुछ दिनों के लिए यूक्रेन को अपने सैटेलाइट्स से मदद करना बंद कर दिया था। लेकिन मार्च 2025 में अमेरिका ने फिर से यूक्रेन को इन आक्रमणों में मदद देना प्रारंभ कर दिया था। हाल ही में रूस ने अपने बमवर्षक विमानों को बेलाया से ओलेन्या हवाई एयरबेस पर स्थानांतरित किया था। बमवर्षक विमानों के इस स्थानांतरण को सैटेलाइट तस्वीरों में देखा गया था। यूक्रेन के ड्रोन विमानों द्वारा अंजाम दिया गया भीषण आक्रमण इन्हीं एयरबेसों पर किया गया। अमेरिका और नाटो सैन्य संगठन देशों को यूक्रेन द्वारा अंजाम दिए गए भीषण आक्रमण के विषय में यदि जानकारी नहीं थी, तो फिर रूस-यूक्रेन युद्ध के दौर में इस तथ्य को यह सबसे बड़ा आश्चर्य माना जाएगा। उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष 2024 में यूक्रेन द्वारा रूस के कुर्सक इलाके में अचानक ही आक्रमण कर दिया गया था। इस विस्मयकारी आक्रमण ने रूस को हिला कर रख दिया। इस भीषण आक्रमण की जानकारी भी अमेरिका को पहले से नहीं थी और यह यूक्रेनी आक्रमण बेहद कामयाब साबित हुआ। इस आक्रमण में यूक्रेन द्वारा रूस की जमीन के बड़े इलाके पर अपना आधिपत्य स्थापित किया गया।

कूटनीति की कठिन परीक्षा से गुजर रहा भारत

इस दफा भी यूक्रेन की खुफिया एजेंसी ने दीर्घ काल तक रूस के अंदरूनी इलाकों में काम किया और स्पाइडर वेब नामक ऑपरेशन को अत्यंत कामयाबी के साथ अंजाम दिया। नए आर्थिक प्रतिबंधों पर जब ट्रंप से सवाल किया गया तो उन्होंने संकेत दिया कि फिलहाल तुरंत कोई फैसला नहीं लिया जा रहा है। लेकिन ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर हालात नहीं सुधरे और युद्ध विराम नहीं किया गया तो अमेरिका दोनों राष्ट्रों पर कड़ी कार्रवाई करेगा। वस्तुस्थिति यह है कि भारत के रूस के साथ और नाटो देशों के साथ भी मैत्रीपूर्ण संबंध कायम रहे हैं। सर्वविदित है कि युद्ध सिर्फ यूक्रेन और रूस के मध्य नहीं लड़ा जा रहा है, वरन् युद्ध नाटो सैन्य संगठन और रूस के मध्य लड़ा जा रहा है। यूक्रेन की बेहद बहादुर सेना नाटो सैन्य संगठन द्वारा प्रदत्त आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के अभाव में रूस के विरुद्ध युद्ध को इतने लंबे दौर तक कदापि नहीं लड़ सकती थी। निरंतर तीव्र होते हुए रूस-यूक्रेन सैन्य संघर्ष के दौर में भारत वस्तुतः विश्व पटल पर कूटनीति की बड़ी कठिन परीक्षा से गुजर रहा है। भारत के साथ ऐतिहासिक तौर पर गहन रणनीतिक संबंध रखने वाला रूस चाहता है कि युद्ध में भारत खुलकर रूस का समर्थन करे। उल्लेखनीय है कि चार दिवसीय भारत-पाक सैन्य संघर्ष में रूस ने भारत का एक तरफ समर्थन नहीं किया, जैसा कि सदैव ही करता रहा है।

दो ध्रुवीय शक्तियों के मध्य बंटता दिख रहा विश्व

इस दफा बहुत ही संतुलित कूटनीति अख्तियार करते हुए रूस ने भारत को अपना रणनीतिक मित्र निरुपित किया और पाकिस्तान को अपना राजनीतिक मित्र करार दिया। नए शीत युद्ध के दौर में जबकि विश्व दो ध्रुवीय शक्तियों के मध्य बंटता जा रहा है, एक तरफ अमेरिका और नाटो देश हैं और दूसरी तरफ चीन, रूस, ईरान और उत्तरी कोरिया आदि देश हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने के लिए अपने कूटनीतिक प्रयास को जारी रखा है। दोनों ही देश यूक्रेन और रूस भारत के निकट मित्रों में रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध की विनाशकारी तीव्रता तृतीय विश्वयुद्ध के कगार पर लाकर पटक सकती है।

विश्व पटल पर गुटनिरपेक्ष आंदोलन का प्रणेता भारत फिर से एक बार तृतीय विश्व युद्ध के खतरे को समाप्त करने के लिए अवश्य ही गहन गंभीर कूटनीतिक प्रयास करेगा, जैसा कि ऐतिहासिक प्रयास भारत द्वारा तृतीय विश्व युद्ध को रोकने के लिए सन् 1956 में स्वेज कैनाल संकट और सन् 1962 में क्यूबा संकट के दौर में किया गया था।

अमेरिका के भरोसे को कमजोर करते ट्रंप

असमंजस

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बनते ही डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा किया था कि वे रूस-यूक्रेन तथा इजरायल एवं हमास के बीच चल रहे युद्धों को समाप्त कर शांति स्थापित कर देंगे, परंतु कोई परिणाम नहीं दे पाए। इसके उलट हाल ही में यूक्रेन ने बड़ा हमला करके रूस के साइबेरिया में स्थित परमाणु बमवर्षक विमानों को ध्वस्त करके बड़ी शिकस्त दे दी है। ड्रोन से बेलाया वायुसेना अड्डे पर हमला करके रूसी वायुसेना के 40 विमानों को अग्नि में होम कर दिया। इस हमले के बाद यूक्रेन ने रूस को फिर निशाना बनाया। यूक्रेनी खुफिया एजेंसी एसबीयू ने रूस को क्रीमिया से जोड़ने वाले क्रेच पुल को विस्फोटक से उड़ा दिया। इन दो बड़े आक्रमणों से तय होता है कि यूक्रेन फिलहाल अमेरिका के दबाव में नहीं है। अमेरिका के पास ऐसा कोई कूटनीतिक इलाज भी नहीं दिखता है कि वह यूक्रेन और रूस को समझौते के लिए राजी कर पाए, क्योंकि रूस ने भी यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए हैं। आशंका तो अब यह बढ़ गई है कि परमाणु हथियार सक्षम रूस कहीं यूक्रेन पर परमाणु हमला न कर दे ? अमेरिका के भीतर भी ट्रंप ने एक के बाद एक गैर जरूरी ऐसे फैसले लिए जो अमेरिकी परंपरा व संवैधानिक व्यवस्था के विरुद्ध थे। अतएव अदालतों में ये फैसले टिक नहीं पाए।

अप्रासंगिक व विवादित निर्णय

अमेरिकी प्रथम की रणनीति से जुड़े ऐसे अप्रासंगिक व विवादित निर्णय और कानूनी चुनौतियां अभी भी थम नहीं रही हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच चले ऑपरेशन सिंदूर और फिर युद्धविराम का श्रेय लेने की होड़ में ट्रंप के शरारती एक्स संदेश से भी उनकी छवि धूमिल हुई है। असमंजस और अमर्यादित आचरण के प्रदर्शनों से अमेरिका की कूटनीतिक स्थिरता को बड़ा झटका लगा है। ऐसे व्यवहार से जहां ट्रंप बौने लगने लगे हैं, वहीं लगता है, जल्दी ही दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ती दिखाई देगी और अमेरिका अलग-थलग दिखाई दे सकता है। यह संभावना ट्रंप के चुनावी अभियान में 2100 करोड़ रुपये का चंदा देने व ट्रंप का खुला समर्थन करने वाले कारोबारी एलन मस्क व ट्रंप की दोस्ती टूटने से भी बड़ी है। एक समय के जिगरी दोस्त जानी दुश्मन बनते दिखाई दे रहे हैं। एलन मस्क बार-बार ट्रंप द्वारा लागू किए विधेयक की आलोचना कर रहे थे। इस पर ट्रंप ने प्रतिक्रिया दी कि मस्क मुझे निराश कर रहे हैं। इसके बाद दोनों में जुबानी जंग छिड़ गई। ट्रंप ने कटाक्ष किया कि मस्क को ट्रंप डेरेंजमेंट सिंड्रोम यानी ट्रंप अव्यवस्था दोष हो गया है।

नई नीतियों से अव्यवस्था फैली

मसलन ट्रंप जिस तरह से टैरिफ से लेकर नई-नई नीतियां बदल रहे हैं, उससे अव्यवस्था फैल रही है, जो मस्क को पसंद नहीं है। ट्रंप के इस कटाक्ष के बाद दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क भी कहां चूकने वाले थे, उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि यदि मैं न होता तो ट्रंप चुनाव हार जाते। गोया ट्रंप ने उनके साथ बेवफाई की है। ट्रंप की यह बेवफाई केवल मस्क के साथ अब नहीं है, बल्कि अनेक उन यूरोपीय देशों के साथ भी दिखाई दे रही है, जो अमेरिका या ट्रंप की प्रत्येक कूटनीतिक

रणनीति में भागीदार रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से भी ज्यादा समय से चल रहा युद्ध न केवल यूरोप में बल्कि दुनिया में परमाणु हथियारों की महत्ता से जुड़ा परिदृश्य बदल रहा है। इस परिदृश्य को भी ट्रंप द्वारा दिया यह बयान कि 'यूरोपीय देशों के नाटो सदस्य यूक्रेन के परिप्रेक्ष्य में अमेरिका के बराबर जिम्मेदारी नहीं झेल रहे हैं। इस कारण इस गठबंधन की प्रासंगिकता पर प्रश्नचिन्ह लगाए जाने लगे हैं।' दरअसल द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत रूस की सेनाएं मध्य और पूर्वी यूरोप में तैनात थीं। इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वैचारिक और भू-राजनीतिक तनाव का दौर था। हालांकि दूसरे विश्वयुद्ध में ये दोनों देश प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में शमिल नहीं थे, लेकिन एक-दूसरे के विरुद्ध अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे थे। अमेरिकी पूंजीवादी विचारों का पोशक रहा, जबकि सोवियत संघ साम्यवादी विचारों का अनुयायी रहा। यही वैचारिक संघर्ष शीतयुद्ध कहलाता है। कालांतर में इन देशों की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत ने पूरी दुनिया को दो ध्रुवीय व्यवस्था में बदलने का काम किया। किंतु 26 दिसंबर 1991 को सोवियत संघ के विघटन के बाद 15 नए देश अस्तित्व में आए, इन्हीं में रूस और यूक्रेन शामिल हैं। ट्रंप द्वारा नाटो गठबंधन की प्रासंगिकता पर सवाल उठाए जाने के बाद अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायताएं भी स्थगित कर दी गईं।

नतीजतन फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनूएल मैक्रों को जवाबी हमला करने का मौका मिल गया। मैक्रों ने यूरोपीय मित्र देशों के समक्ष फ्रांस के परमाणु भंडारों को सुरक्षा देने का प्रस्ताव रख दिया। फ्रांस का यह प्रस्ताव विश्व-व्यवस्था में परमाणु सशस्त्रीकरण की नई इबारत लिखना है। इसके बाद ब्रिटेन और इटली ने भी रूस और यूक्रेन के बीच शांति के न्यायोचित समाधान खोजने की मांग उठा दी। तत्पश्चात यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेरलेयेन ने 800 बिलियन डॉलर से लेकर 1 ट्रिलियन डॉलर तक की रक्षा खर्च की योजना पेश कर दी। संघ के 26 सदस्य देशों ने इसे हाथों हाथ समर्थन भी दे दिया। इसका उद्देश्य यूरोप की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना है, विशेष रूप से यूक्रेन युद्ध के बाद की स्थिति में, क्योंकि यूक्रेन रूस के युद्ध के खिलाफ जो दंभ तीन साल से भरे हुए है, उसके पीछे यूरोपीय संघ और नाटो देशों की ही आर्थिक और सामरिक शक्तियां काम कर रही हैं। अब यूरोपीय संघ के सदस्य देशों ने संयुक्त हथियार खरीद के लिए 150 अरब यूरो का कोष स्थापित करने की सहमति जता दी है। नाटो और यूरोपीय संघ का यह कूटनीतिक उत्तर अमेरिका की नाटो से संभावित निकासी या उसकी धनराशि कम करने के परिप्रेक्ष्य में है। दरअसल ये देश परमाणु शक्ति संपन्न देश होने के कारण रूस को एक बड़ा खतरा मानकर चल रहे हैं और यूक्रेन के पीछे खड़े होकर रूस की बर्बादी देखने के इच्छुक हैं। अतएव ट्रंप की समझौते से जुड़ी रणनीति के विरुद्ध अभी यह टकराव बना रहेगा।

युद्ध समाप्ति के अभी आसार नहीं

यह युद्ध इसलिए लंबा चलने वाला है, क्योंकि हाल ही में तुर्की में रूस और यूक्रेन के बीच हुई वार्ता में ब्लादिमीर पुतिन ने साफ कर दिया है कि उन्हें केवल एक ही बात मंजूर है और वह यूक्रेन का समर्पण! रूस यह मांग इसलिए कर रहा है, क्योंकि उसने यूक्रेन के 5 प्रांतों के 19 फीसदी भू-भाग पर कब्जा कर लिया है। इसलिए उसे उम्मीद है कि देर-सबेर वह यूक्रेन को पराजित कर देगा। अमेरिका के पास इस स्थिति में युद्ध खत्म करने की कोई नीति या कूटनीति नहीं है।

ट्रंप जिस तरह की दादागिरी के आचरण और एकतरफा निर्णय लेने के मूड में हैं, उस स्थिति में युद्धविराम तब तक संभव नहीं है, जब तक नाटो और यूरोपीय संघ के देश ट्रंप की बात मानने को सहमत न हो जाएं ?

भड़कता दिख रहा रूस-यूक्रेन युद्ध

रणनीति

राजेश जैन

स्वतंत्र पत्रकार व विश्लेषक

रूस के अंदर घुस कर यूक्रेन के मारक हमले के बाद से दोनों मुल्कों के बीच जारी जंग के जल्दी खत्म होने के आसार क्षीण हो गए हैं। यूक्रेन ने योजनाबद्ध तरीके से जिस तरह गाइडेड ड्रोन अटैक किया है और रूसी सैन्य ठिकानों को तबाह किया है, उसके बाद रूस के जवाबी हमले के खतरे बढ़ गए हैं। रूस ने यूक्रेन से बदला लिया भी है, लेकिन यह सिलसिला अभी और बढ़ेगा। तुर्किये में प्रस्तावित वार्ता से ठीक एक दिन पहले यूक्रेन की सैन्य कार्रवाई रूस की सोच से परे थी, यूक्रेन के इस कृत्य ने इस युद्ध को और उलझा दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कूटनीति रूस व यूक्रेन मामले में पूरी तरह फेल हुई है और ट्रंप के दावे हवाहवाई साबित हुए हैं। यूरोप अब यूक्रेन के कंधों पर रूस से अदावत निभा रहा है, इसलिए हाल फिलहाल इस युद्ध के और भड़कने की संभावना बढ़ गई है। फरवरी 2022 में शुरू हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध चौथे साल में चल रहा है। लाखों लोगों की जान जा चुकी है, शहर उजड़ चुके हैं और अब दुनिया की नजरें इस सवाल पर टिकी हैं कि आखिर कौन जीत रहा है यह युद्ध? क्या यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की रूस के ताकतवर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को मात दे रहे हैं या फिर रूस धीरे-धीरे अपनी रणनीति में सफल हो रहा है?

ड्रोन वार ने बदले समीकरण

रूस के तेज़ होते हमलों के बीच यूक्रेन ने बीते 1 जून को रूस के ख़िलाफ़ 'ऑपरेशन स्पाइडर वेब' लॉन्च किया। इसे रूस पर यूक्रेन का अब तक का सबसे घातक हमला बताया जा रहा है। दावा है कि इस ऑपरेशन की तैयारी यूक्रेन बीते 18 महीनों से कर रहा था। लीक जानकारी से पता चलता है कि कई छोटे ड्रोन्स को ख़ुफ़िया तरीके से रूस में पहुंचाया गया, फिर हज़ारों मील दूर अलग-अलग चार जगहों पर ले जाकर नज़दीकी सैन्य हवाई अड्डों पर रिमोटली लॉन्च किया गया। यूक्रेन का दावा है कि उसने रूस के 41 बमवर्षक विमानों को निशाना बनाया। विश्लेषकों का मानना है कि तुर्की में रूस और यूक्रेन के बीच हुई बातचीत के बाद स्थिति और उलझ गई है। पुतिन ने साफ कर दिया है कि उन्हें सिर्फ एक ही बात स्वीकार है, यूक्रेन का सरेंडर। दूसरी ओर, यूक्रेन कुछ शर्तों पर रियायत देने को तैयार है, लेकिन रूस अपने कठोर रुख से टस से मस नहीं हो रहा। दूसरी ओर यूक्रेन, टेक्नोलॉजी के मोर्चे पर, रूस को कड़ी टक्कर दे रहा है। हाल ही में यूक्रेनी ड्रोन हमलों ने रूस के बमवर्षक विमानों को भारी नुकसान पहुंचाया है। रूस ने सोचा भी नहीं होगा कि यूक्रेन रूस के 4000 किलोमीटर अंदर घुसकर उसके एयरबेस उड़ा सकता है, लेकिन उसने ऐसा किया। अब 5 एयरबेस पर हमले का नुकसान तो बड़ा है और रूसी राष्ट्रपति पुतिन का गुस्सा भी स्वाभविक है। ऐसे में रूस-यूक्रेन युद्ध एक बार फिर से भड़कता दिख रहा है और शांति की उम्मीदें लगभग मंद हो गई हैं।

लंबी है युद्ध के हताहतों की सूची

रूस ने 6 जून की रात को यूक्रेन के खिलाफ बड़े पैमाने पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन हमला

किया है, जिसमें राजधानी कीव के साथ ही देश के प्रमुख शहरों को निशाना बनाया है। एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन कॉल के दौरान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूसी हवाई ठिकानों पर ड्रोन हमले के लिए यूक्रेन के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का वादा किया था। मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि इस युद्ध में अब तक करीब 14 लाख लोग हताहत हो चुके हैं। यूक्रेन के 75 हजार से ज्यादा सैनिक या तो मारे जा चुके हैं या गंभीर रूप से घायल हुए हैं। रूस की कुर्स्क पर भारी कार्रवाई के बाद यूक्रेनी सेना को पीछे हटना पड़ा। इसके बाद रूस ने पलटवार करते हुए सूमी प्रांत पर हमला शुरू कर दिया है। सूमी की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यदि रूस इस पर कब्जा कर लेता है, तो वह सीधे कीव की ओर जमीनी हमला कर सकता है। इससे यूक्रेन की राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो जाएगी। फिलहाल, यूक्रेनी सेना रूस के कब्जे वाले इलाकों में जवाबी कार्रवाई कर रही है। उन्हें अमेरिका और यूरोपीय देशों से तकनीकी और खुफिया जानकारी मिल रही है, जिससे उन्हें हमलों की रणनीति बनाने में मदद मिलती है। इसके अलावा, यूक्रेन में अब अपने ही ड्रोन बनाने की फैक्ट्री और विशेषज्ञ तैयार हो चुके हैं। हालांकि यूक्रेन को आधुनिक तकनीक और समर्थन मिल रहा है, लेकिन उसकी चुनौतियां भी कम नहीं हैं। जैसे ड्रोन हमले रूसी सेना को धीमा कर सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह रोक नहीं सकते, रूस लगातार मिसाइल और बमबारी करता जा रहा है, यूरोप और अमेरिका से हथियारों की सप्लाई बनाए रखना और नए हथियारों के लिए सैनिकों को ट्रेनिंग देना भी यूक्रेन के लिए बड़ी चुनौती है। रूस की रणनीति अब यह है कि यूक्रेनी सेना की सप्लाई लाइन को काटा जाए, उन्हें घेरा जाए और धीरे-धीरे एक-एक इलाके पर कब्जा किया जाए। इसके लिए रूसी सेना छोटे-छोटे समूहों में काम कर रही है ताकि वे ड्रोन हमलों से बच सकें। यूक्रेन की गैर पारंपरिक रणनीतियां जैसे लंबी दूरी तक ड्रोन से हमला, रूस के लिए परेशानी बन चुकी हैं, लेकिन रूस अब भी उनके खिलाफ कोई ठोस समाधान नहीं निकाल पाया है। इससे संकेत नहीं मिलते कि रूस हमला धीमा करने वाला है।

इस समय रूस ने 5 यूक्रेनी प्रांतों के 19% हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इनमें से 12% इलाके पर वह पहले ही 2014 में कब्जा कर चुका था। पुतिन की चाहत है कि यूक्रेन की 25% जमीन रूस के अधीन आ जाए, जिसमें एक बफर ज़ोन भी शामिल हो। आपको बता दें कि रूस क्रीमिया पर 2014 में कब्जा कर चुका है लेकिन उसकी मांग सिर्फ क्रीमिया तक सीमित नहीं है, अब वह उन इलाकों को भी यूक्रेन से चाहता है, जिन पर उसकी सेना ने अभी तक कब्जा नहीं किया है, लेकिन रूस अपना दावा करता है। इसके अलावा, वह चाहता है कि युद्ध खत्म होने के बाद यूक्रेन की सेना, उसके हथियार और उसकी सीमाएं नियंत्रित कर दी जाएं, कुछ-कुछ वैसा ही जैसा प्रथम विश्व युद्ध के बाद जर्मनी के साथ किया गया था।

फिलहाल शांति की आस नहीं

इस समय दोनों पक्षों के पास न तो निर्णायक जीत है और न ही शांति का कोई साफ रास्ता। इस लंबी और थकाऊ लड़ाई के बाद भी यह तय नहीं हो पाया है कि कौन जीत रहा है। रूस की धीमी लेकिन स्थायी बढ़त को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, वहीं यूक्रेन भी टेक्नोलॉजी और नाटो समर्थन के दम पर लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है। अगर किसी तरह से शांति समझौता हो भी जाता है, तब भी यह जरूरी नहीं कि संघर्ष थम जाएगा। जानकारों का मानना है कि यूक्रेन के भीतर गुरिल्ला युद्ध चलता रहेगा और नाटो देश रूस के लिए लंबे समय तक परेशानी बने रहेंगे। फिलहाल दुनिया को इंतजार है कि यह युद्ध कब और कैसे खत्म होगा?

किसानों को सिर्फ 4% की दर से मिलेगा 5 लाख रु. तक का लोन

- केसीसी योजना के लिए लाभ लेना बहुत आसान, मिल रहे बड़े फायदे
- किसान, चाहे वह जमीन का मालिक हो या बटाइदार, कर सकते हैं आवेदन
- केंद सरकार ने लोन सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये तक किया
- खेती, पशुपालन या मछली पालन के लिए ले सकते हैं किफायती लोन
- किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत 1998 में हुई थी
- इसका मकसद किसानों को खेती की जरूरतों के लिए सस्ता लोन उपलब्ध कराना

जानकारी
बिजनेस डेस्क

किसानों के लिए खेती को आसान और किफायती बनाने के मकसद से शुरू की गई किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना अब और भी फायदेमंद हो गई है। केंद्रीय बजट 2025-26 में केंद्र सरकार ने इस योजना की लोन सीमा को 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया था। इतना ही नहीं, इसकी ब्याज दर भी 4% सालाना है, जो किसानों के लिए बड़ा लाभ है। इसके साथ ही सरकार ने इस योजना की ब्याज सहायता (इंटरेस्ट सब्सिडी) को वित्त वर्ष 2025-26 तक बढ़ाने का फैसला किया है, जिससे किसानों को सस्ता लोन मिलना जारी रहेगा। यह खबर उन लाखों किसानों के लिए खुशखबरी है, जो खेती, पशुपालन या मछली पालन के लिए किफायती लोन की तलाश में हैं। आइए, इस योजना को विस्तार से समझते हैं और जानते हैं कि इसे लेना कितना आसान है।

क्या है किसान क्रेडिट काई योजना

किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत 1998 में हुई थी। इसका मकसद था किसानों को उनकी खेती की जरूरतों के लिए सस्ता और आसान लोन उपलब्ध कराना। इस योजना को भारत सरकार, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और नाबार्ड ने मिलकर शुरू किया था। यह कार्ड किसानों को एक क्रेडिट लाइन देता है, जिसका इस्तेमाल वे बीज, खाद, कीटनाशक, कृषि उपकरण खरीदने पशुपालन और मछली पालन जैसे कामों के लिए कर सकते हैं। इस कार्ड की खासियत यह है कि यह 5 साल की वैलिडिटी के साथ आता है और समय पर लोन चुकाने पर ब्याज में छूट भी मिलती है।

क्या हैं अतिरिक्त फायदे?

किसान क्रेडिट कार्ड के साथ कई अतिरिक्त फायदे भी मिलते हैं। मसलन, अगर फसल प्राकृतिक आपदा या कीटों के कारण खराब हो जाती है, तो बीमा कवरेज मिलता है। इसके अलावा, अगर किसान अपने केसीसी खाते में पैसे जमा करता है, तो उसे बचत खाते की तरह ब्याज भी मिलता है। साथ ही, कई बैंक केसीसी के साथ रुपे डेबिट कार्ड भी देते हैं, जिससे किसान आसानी से मंडियों या इनपुट डीलरों के साथ लेन-देन कर सकते हैं।

बढ़ गई सीमा

हाल ही में सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड के तहत लोन की अधिकतम सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है। यह फैसला 2025 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लिया, जिसका मकसद किसानों को उनकी बढ़ती जरूरतों के लिए ज्यादा आर्थिक सहायता देना है। इस लोन पर सामान्य ब्याज दर 7% सालाना है, लेकिन सरकार 2% की ब्याज सहायता देती है। इसके अलावा, अगर किसान समय पर लोन चुका देते हैं तो उसे 3% की अतिरिक्त छूट मिलती है। इस तरह प्रभावी ब्याज दर सिर्फ 4% रह जाती है। यह सुविधा खेती के साथ-साथ मछली पालन और पशुपालन करने वाले किसानों के लिए भी उपलब्ध है।

बढ़ाई गई ब्याज सहायता की डेडलाइन

केंद्र सरकार ने हाल ही में संशोधित ब्याज सहायता योजना को वित्त वर्ष 2025-26 तक बढ़ाने की मंजूरी दी है। इसका मतलब है कि किसानों को अगले वित्त वर्ष तक 4% की रियायती ब्याज दर पर लोन मिलता रहेगा। यह फैसला मई 2025 में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। इस कदम से देश के करीब 7.7 करोड़ किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों को फायदा होगा। यह योजना सुनिश्चित करती है कि किसानों को कम लागत पर कार्यशील पूंजी मिले, ताकि वे अपनी खेती को और बेहतर कर सकें।

आसान है केसीसी बनवाना

किसान क्रेडिट कार्ड बनवाना बेहद आसान है। कोई भी किसान, चाहे वह जमीन का मालिक हो, किरायेदार किसान हो या बटाईदार, सभी इस योजना के लिए आवेदन कर सकता है। इसके लिए जरूरी डॉक्यूमेंट्स में आधार कार्ड, पैन कार्ड, जमीन के डॉक्यूमेंट और फसल की जानकारी शामिल होती है। आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन के लिए किसान को पीएम किसान योजना की वेबसाइट (**pmkisan.gov.in**) पर जाना होगा। वहां से केसीसी का फॉर्म डाउनलोड कर सकते हैं। फॉर्म में जमीन और फसल की जानकारी भरकर, जरूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ इसे नजदीकी बैंक में जमा करना होता है।

सिक्योरिटी की जरूरत नहीं

अगर ऑनलाइन प्रक्रिया में दिक्कत हो, तो किसान अपने नजदीकी बैंक शाखा में जाकर सीधे आवेदन कर सकता है। बैंक में एक साधारण फॉर्म भरना होता है, जिसमें जमीन के कागजात और पहचान पत्र जमा करने होते हैं। आमतौर पर, अगर सभी डॉक्यूमेंट सही हैं, तो 5 से 7 दिनों के अंदर बैंक लोन स्वीकृत कर देता है। इसके अलावा, 1.6 लाख रुपये तक के लोन के लिए कोई सिक्योरिटी देने की जरूरत नहीं होती। 3 लाख रुपये से ज्यादा के लोन के लिए जमीन या अन्य संपत्ति को सिक्योरिटी के तौर पर रखना पड़ सकता है। साथ ही, इस कार्ड के साथ किसानों को फसल बीमा और डेबिट कार्ड जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

किसान क्रेडिट कार्ड एक रिवॉल्विंग कैश क्रेडिट खाते की तरह काम करता है। इसका मतलब है कि किसान जरूरत के हिसाब से पैसे निकाल सकता है और चुकाने के बाद फिर से लोन ले सकता है। लोन की राशि फसल की कटाई और बिक्री की अवधि के आधार पर चुकानी होती है। किसान को साल में दो बार ब्याज और एक बार पूरी लोन राशि जमा करानी होती है। अगर समय पर भुगतान किया जाता है, तो अगले ही दिन नया लोन लिया जा सकता है। यह लचीलापन किसानों के लिए बड़ा फायदा है, क्योंकि वे अपनी जरूरतों के हिसाब से पैसे का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कौन उठा सकता है फायदा

यह योजना सिर्फ खेती करने वालों तक सीमित नहीं है। पशुपालन, मछली पालन, बागवानी या अन्य कृषि से जुड़े काम करने वाले लोग भी इसके लिए पात्र हैं। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूह और संयुक्त देयता समूह भी इस कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। सरकार का मकसद है कि ज्यादा से ज्यादा किसानों को इस योजना का लाभ मिले, ताकि वे अपनी खेती को आधुनिक और लाभकारी बना सकें।

5 साल में 4 गुना रिटर्न, कम खर्च में तिहरा बेनिफिट दिया

5 स्टार रेटिंग, कम खर्च वाले टॉप 5 इक्विटी फंड्स में तीन एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के

इन स्कीम्स ने 5 साल में 32% तक रिटर्न देकर निवेशकों की दौलत कई गुना तक कर दी

इन सभी फंड का एक्सपेंस रेशियो यानी निवेश का खर्च 1 फीसदी से भी काफी कम यानी फायदा

बिजनेस डेस्क। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाने वाले निवेशकों को हमेशा ऐसी स्कीम की तलाश रहती है, जिनकी रेटिंग अच्छी हो और जो कम से कम खर्च में हाई रिटर्न देने की क्षमता रखते हों। हम यहां ऐसे ही 5 इक्विटी फंड्स की जानकारी देने जा रहे हैं, जिन्हें 5 स्टार रेटिंग मिली हुई है और जो पिछले 5 साल में 32% तक एवरेज एनुअल रिटर्न दे चुके हैं। इतना ही नहीं, इन सभी फंड का एक्सपेंस रेशियो यानी निवेश का खर्च 1 फीसदी से भी काफी कम है। यानी इनमें निवेश करने वालों को बेस्ट रेटिंग, बेस्ट रिटर्न और कम खर्च का तिहरा बेनिफिट मिल रहा है। इन टॉप 5 में से तीन स्कीम्स एचडीएफसी म्यूचुअल फंड की हैं। ये सभी इक्विटी फंड, निवेश के मामले में फ्लेक्सिबल इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी पर चलते हैं। इस इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी में फंड मैनेजर लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में फंड एलोकेशन अपनी मर्जी से तय करते हैं। इससे उन्हें बाजार के रुझान के हिसाब से एलोकेशन करके बेहतर रिटर्न हासिल करने का मौका मिलता हैं. साथ ही हर मार्केट सेगमेंट में निवेश करने की वजह से पोर्टफोलियो के डायवर्सिफिकेशन का लाभ भी मिलता है। जिन लोगों के पोर्टफोलियो में इक्विटी स्कीम्स की संख्या ज्यादा नहीं रहती उन्हें आमतौर पर एक ही स्कीम में बेहतर डायवर्सिफिकेशन के लिए ऐसे ही फंड्स में निवेश करने की सलाह दी जाती है।

फ्लेक्सिबल स्ट्रैटजी वाले टॉप इक्विटी फंड

हम यहां जिन टॉप 5 इक्विटी फंड्स की चर्चा करने जा रहे हैं, वे सभी इसी फ्लेक्सिबल निवेश रणनीति को फॉलो करते हैं। दरअसल, किसी भी मार्केट सेगमेंट वाले स्टॉक्स में निवेश की छूट के कारण ही वैल्यू रिसर्च ने एचडीएफसी फोकस्ड 30 फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंडिया इक्विटी एफओएफ और एचडीएफसी रिटायरमेंट सेविंग्स फंड (इक्विटी प्लान) को भी फ्लेक्सी कैप फंड की लिस्ट में शामिल किया है। इस लिस्ट में पराग पारीख फ्लेक्सी कैप फंड और एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड जैसी विशाल एसेट मैनेजमेंट वाली स्कीम्स भी शामिल हैं। इन सभी फंड्स को वैल्यू रिसर्च ने 5 स्टार रेटिंग दी गई है।

1. एचडीएफसी फोकस्ड 30 फंड (डायरेक्ट प्लान) एम.एस.

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 31.95%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 26.26%
- एक्सपेंस रेशियो : 0.61%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 19,551 करोड़ रुपये
- 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 4,00,361 रुपये
- 10 हजार की मंथली SIP से 5 साल में जमा हुए : 11,62,044 रुपये

2. एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड (डायरेक्ट प्लान)

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 31.22%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 25.41%
- एक्सपेंस रेशियो : 0.73%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 75,724 करोड़ रुपये
- 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,89,267 रुपये
- 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा हुए : 11,30,375 रुपये

3. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंडिया इक्विटी एफओएफ (डायरेक्ट प्लान)

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 30.54%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 23.09%
- एक्सपेंस रेशियो : 0.63%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 178 करोड़ रुपये
- 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,79,592 रुपये
- 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा हुए : 10,86,103 रुपये

4. एचडीएफसी रिटायरमेंट सेविंग्स फंड इक्विटी प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 29.55%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 22.52%
- एक्सपेंस रेशियो : 0.74%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 6473 करोड़ रुपये
- 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,65,209 लाख रुपये
- 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा हुए : 10,46,988 रुपये

5. पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड-डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 27.34%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 22.21%
- एक्सपेंस रेशियो : 0.63%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 103,866 करोड़ रुपये
- 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,43,054 रुपये
- 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा : 10,31,937 रुपये

एकमुश्त और एसआईपी पर शानदार रिटर्न

ऊपर दिए आंकड़ों से साफ है कि इन पांचों म्यूचुअल फंड्स ने पिछले 5 साल के दौरान अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए हैं। फिर चाहे वो वन-टाइम इनवेस्टमेंट हो या सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये किया गया निवेश, लेकिन निवेशकों को यह याद रखना चाहिए कि इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश के साथ मार्केट रिस्क जुड़ा रहता है। इसलिए निवेश का फैसला करने से पहले अपनी रिस्क लेने की क्षमता को जरूर ध्यान में रखें।

(डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल का मकसद सिर्फ जानकारी देना है. निवेश की सिफारिश करना नहीं। म्यूचुअल फंड्स का पिछला रिटर्न भविष्य में जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती. निवेश के फैसले अपने निवेश सलाहकार की राय लेकर ही करें।)

कम खर्च में बढ़िया कमाई करवाने वाले 5 स्मॉल कैप फंड कर सकते मालामाल

35% से 39% तक रहा 5 साल का एनुअल रिटर्न, निवेशकों के पैसों को साढ़े चार गुना से 5 गुना तक बढ़ाया बेहद कम एक्सपेंस रेशियो के साथ दे रहे अच्छा रिटर्न

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स पर स्टॉक मार्केट की उथल-पुथल का ज्यादा असर पड़ता है। यानी बाजार में गिरावट आने पर उनके ज्यादा तेजी से गिरने की आशंका रहती है, लेकिन इसके साथ ही रिकवरी होने पर उनमें मुनाफे की गुंजाइश भी अधिक होती है। यही वजह है कि स्मॉल कैप फंड्स को हाई रिस्क, हाई रिटर्न इनवेस्टमेंट माना जाता है, लेकिन हम इस रिपोर्ट में 5 ऐसे स्मॉल कैप फंड्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें पिछले 5 साल के प्रदर्शन के आधार पर लो कॉस्ट, हाई रिटर्न यानी कम खर्च में मोटा मुनाफा देने वाला कहा जा सकता है। इन सभी फंड्स का 5 साल का औसत सालाना रिटर्न 35% से 39% तक रहा है, वह भी काफी कम लागत यानी एक्सपेंस रेशियो के साथ। जिन 5 स्मॉल कैप फंड्स की जानकारी दी है, उनका 5 साल का एवरेज एनुअल रिटर्न 35.81% से लेकर 39.61% तक है। इस हाई रिटर्न की बदौलत इन फंड्स ने 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 5 साल में 4.65 गुना से लेकर 5.3 गुना तक कर दिखाया है। इतना ही नहीं, इन स्मॉल कैप फंड्स में अगर किसी ने 5 साल तक हर महीने 5,000 रुपये का निवेश किया होगा, तो उसकी मौजूदा फंड वैल्यू भी 5.74 लाख रुपये से लेकर 6.57 लाख रुपये तक हो गई होगी। इन सभी फंड्स को वैल्यू रिसर्च ने 5 या 4 स्टार की रेटिंग दी है और इनके डायरेक्ट प्लान का एक्सपेंस रेशियो 0.34% से 0.65% के बीच है, जिसे काफी किफायती माना जा सकता है।

1. निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 39.61%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.65%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5.3 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 6,15,113 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 29.21%)

2. बंधन स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 38.21%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.39%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5.04 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 6,57,581 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 32.04%)

3. एडलवाइज़ स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 36.35%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.43%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 4.71 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 5,74,266 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.32%)

4. टाटा स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 35.98%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.34%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 4.65 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 5,83,439 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.98%)

5. इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 35.81%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.44%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 4.62 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 6,16,477 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 29.31%)

स्मॉल कैप में निवेश से पहले रिस्क समझ लें

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स लॉन्ग टर्म में औसत से काफी बेहतर रिटर्न देने के लिए जाने जाते हैं. लेकिन इन पर बाजार की उथल-पुथल का ज्यादा असर पड़ता है। इसी वजह से इन्हें काफी अधिक जोखिम की रेटिंग दी जाती है, लेकिन जो निवेशक हाई रिटर्न के लिए ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं, वे अपने पोर्टफोलियो में इन्हें जगह दे सकते हैं। अगर सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये लंबी अवधि तक निवेश किया जाए, तो इस रिस्क को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। ऐसे में निवेशकों को कम से कम 7 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश जारी रखना चाहिए। साथ ही स्मॉल कैप में एक्सपोजर 10-15 फीसदी से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इसलिए अगर अगर आप लंबी अवधि के लिए निवेश की सोच रहे हैं और ज्यादा जोखिम उठाने को तैयार हैं, तो स्मॉल कैप फंड्स अच्छा रिटर्न देने का दम रखते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि ये फंड्स वोलैटाइल होते हैं और शॉर्ट टर्म में उतार-चढ़ाव ला सकते हैं।

रिटायरमेंट की रेस जीतनी है तो पहले से करें तैयारी

आखिरी वक्त में दौड़ने से नहीं बनेगा काम, फेल हो सकती है पूरी प्लानिंग

- युवाओं के लिए रिटायरमेंट का वक्त भले ही दूर हो, लेकिन जल्दी करें
- तैयारी जितनी जल्दी शुरू करेंगे, बाद में उतनी ही आसानी होगी

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी चाहते हैं कि आपका बुढ़ापा पूरी मस्ती में कटे तो रिटायरमेंट के लिए बेहतर प्लानिंग करें। इससे आपको असानी रहेगी और समय रहते आप रिटायरमेंट के लिए अच्छा खासा पैसा जुटा लेंगे। रिटायरमेंट की प्लानिंग ऐसी दौड़ है, जिसमें जीतना है तो शुरुआत समय रहते करनी होगी। अगर आप आखिरी वक्त में तैयारी शुरू करेंगे, तो न तो सही ढंग से पैसों का इंतजाम हो पाएगा और न ही रिटायरमेंट के बाद की जिंदगी सुकून भरी बन पाएगी। कामकाजी जिंदगी के शुरुआती दौर में रिटायरमेंट भले ही काफी दूर का लक्ष्य नजर आता हो, लेकिन उसके लिए जितनी जल्दी तैयारी शुरू की जाएगी, बाद में उतनी ही आसानी होगी। इसके लिए समय रहते अमाउंट जुटा लेना जरूरी है। तभी आपका बुढ़ापा बिना किसी टेंशन के कट सकेगा। वरना बडी परेशानी हो सकती है।

जल्द शुरुआत बड़ा फायदा

जानकारों का कहना है कि रिटायरमेंट प्लानिंग को आखिरी समय की तैयारी के तौर पर नहीं, बल्कि आदत के रूप में अपनाना चाहिए। जो लोग शुरुआत से ही छोटी-छोटी रकम निवेश करना शुरू कर देते हैं, उन्हें कंपाउंडिंग का सबसे बड़ा फायदा मिलता है। इससे समय रहते आप अच्छा खासा पैसा जुटाकर अपने जीवन का समृद्ध बना सकते हैं। उनका यह भी मानना है कि रिटायरमेंट की तैयारी एक लंबी प्रक्रिया है और यह एक बार का काम नहीं, बल्कि लगातार चलने वाली आदत होनी चाहिए। अगर आप अपने करियर के शुरूआती सालों में ही निवेश की आदत डाल लेते हैं, तो समय के साथ आपका फंड अपने आप बढ़ता चला जाएगा।

रेगुलर इनवेस्टमेंट

रिटायरमेंट फंड के लिए हर महीने एक तय रकम अलग रखना जरूरी है। यह रकम आपकी आमदनी के अनुसार कम ज्यादा हो सकती है, लेकिन इसे एक नियम की तरह अपनाना चाहिए। इससे यह प्लानिंग सिर्फ कागज़ पर नहीं, आपकी वित्तीय आदतों में शामिल हो जाएगी। हर महीने रिटायरमेंट के लिए निवेश की गई छोटी-छोटी रकम भी लंबे समय में बड़ा फंड तैयार कर सकती है, बशर्ते आप रेगुलर इनवेस्टमेंट का सिलसिला बनाए रखें।

सही एसेट एलोकेशन है बेहद जरूरी

रिटायरमेंट के लिए निवेश करते वक्त सिर्फ सेविंग अकाउंट या फिक्स्ड डिपॉजिट पर भरोसा करना ठीक नहीं. आपको अपनी रिस्क लेने की क्षमता के हिसाब से इक्विटी और डेट जैसे विकल्पों के बीच संतुलन बना कर निवेश करना चाहिए। नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) इस मामले में एक बेहतर विकल्प है, क्योंकि इसमें आप अपनी रिस्क प्रोफाइल के मुताबिक इक्विटी, डेट और गवर्नमेंट बॉन्ड्स का चुनाव कर सकते हैं।

इंक्रिमेंट के साथ बढ़ाते चलें निवेश

जैसे-जैसे आपकी सैलरी बढ़ती है, वैसे ही रिटायरमेंट के लिए की जाने वाली निवेश की रकम भी बढ़ानी चाहिए. यह अपने फ्यूचर को और मजबूत बनाने का एक सबसे अच्छा तरीका है। हर साल अपने रिटायरमेंट पोर्टफोलियो का रिव्यू जरूर करें और जरूरत के हिसाब से उसमें बदलाव करें। यदि आप सही प्लानिंग के साथ चलेंगे तो परेशानी नहीं होंगे और अपने लिए आसानी से अच्छा फंड जुटा पाएंगे। रिटायरमेंट के बाद आपको किसी का मुंह ताकने की जरूरत नहीं होगी। अपने खर्चे खुद उठाने में सक्षम होंगे।

पूरी तैयारी के साथ होना चाहिए रिटायरमेंट

रिटायरमेंट का मकसद सिर्फ नौकरी खत्म होना नहीं है, बल्कि एक ऐसी जिंदगी जीना है, जिसमें आर्थिक चिंता न हो। अगर आप अपने करियर को बनाने में जितनी मेहनत करते हैं, उतनी ही एनर्जी अपने वित्तीय भविष्य को बनाने में भी लगाएं. रिटायरमेंट प्लानिंग को आज शुरू करना आपके कल को बेहतर बना सकता है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि रिटायरमेंट की रेस में जीतने के लिए शुरुआत अभी से करनी होगी। आखिरी वक्त में दौड़ने से मंजिल नहीं मिलती, बल्कि वक्त पर उठाया गया एक-एक कदम आपके आने वाले कल को बेहतर बनाने में बड़ा योगदान कर सकता है।

रिटायरमेंट के लिए निवेश विकल्प

पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड) : पीपीएफ एक लंबी अवधि का निवेश विकल्प है जो आयकर अधिनियम के तहत कर लाभ प्रदान करता है।
-एनपीएस (नेशनल पेंशन सिस्टम) : एनपीएस एक रिटायरमेंट बचत योजना है जो आपको अपने भविष्य के लिए बचत करने में मदद करती है।
-म्यूचुअल फंड : म्यूचुअल फंड एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो आपको विभिन्न प्रकार की सिक्योरिटीज में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

फिक्स्ड डिपॉजिट : फिक्स्ड डिपॉजिट एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो आपको एक निश्चित अवधि के लिए अपने पैसे जमा करने का अवसर प्रदान करता है।

शेयर बाजार : शेयर बाजार एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो आपको कंपनियों के शेयरों में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।
निवेश करने के लिए कुछ सुझाव

जल्दी शुरू करें: रिटायरमेंट के लिए निवेश करना जितनी जल्दी शुरू करेंगे, उतना ही अधिक समय आपके पैसे को बढ़ने के लिए मिलेगा।

नियमित निवेश करें: नियमित निवेश करने से आपको अपने निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

विविधीकरण करें: अपने निवेश को विभिन्न प्रकार की सिक्योरिटीज में विभाजित करने से आपको जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।

अपने निवेश लक्ष्यों को परिभाषित करें: अपने निवेश लक्ष्यों को परिभाषित करने से आपको अपने निवेश निर्णयों को निर्देशित करने में मदद मिल सकती है।

लड़कों में ओवरऑल ट्राफी रोहतक तो लड़कियों में भिवानी के नाम रही

हरियाणा राज्य बॉक्सिंग प्रतियोगिता सम्पन्न 500 युवा मुक्केबाजों ने दिखाया दमखम

रोहतक

हरियाणा बॉक्सिंग संघ द्वारा आयोजित चौथी जूनियर बॉयज एंड गर्ल्स हरियाणा राज्य बॉक्सिंग प्रतियोगिता का भव्य समापन शनिवार को राजीव गांधी साई एनबीए बॉक्सिंग अकादमी में हुआ। जिसमें ओवरऑल ट्राफी ब्वॉयज में रोहतक के नाम तो गर्ल्स में ओवरऑल ट्राफी भिवानी के नाम रही है। हरियाणा बाक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने कहा कि यह प्रतियोगिता केवल पदक जीतने का मंच नहीं है, यह एक ऐसा अवसर है जहां अनुशासन, समर्पण और संघर्ष की भावना विकसित होती है। हार और जीत तो खेल का हिस्सा हैं, लेकिन जो आप सीखते हैं, वह जीवनभर आपके साथ रहता है। मैं कोच और अभिभावकों का भी विशेष रूप से धन्यवाद करता हूं, जो इन खिलाड़ियों के पीछे निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन की ताकत बनकर खड़े हैं। आपका योगदान अमूल्य है। प्रतियोगिता के समापन समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि इस चौथी जूनियर बॉयज एंड गर्ल्स राज्य स्तरीय प्रतियोगिता ने यह साबित कर दिया है कि हरियाणा न केवल कृषि में अग्रणी है, बल्कि खेलों में भी देश का नेतृत्व कर रहा है। मुझे आज यहां आकर अत्यंत गर्व महसूस हो रहा है, जब मैं रिंग में हमारे मुक्केबाजों को अपनी प्रतिभा और जोश के साथ मुकाबला करते देख रहा हूं। इन बच्चों की आंखों में जो सपना है, वह न सिर्फ व्यक्तिगत सफलता का है, बल्कि भारत का नाम रोशन करने का भी है। प्रतियोगिता में ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी संदीप मौर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। यह प्रतियोगिता बुधवार से शुरू हुई थी और अंतिम दिन तक खिलाड़ियों में गजब का उत्साह व खेल भावना देखने को मिली। रिंग में हुए रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। प्रतियोगिता में प्रदेश भर से आए खिलाड़ियों ने भाग लिया, जो विभिन्न जिलों का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन कर रहे थे।

लड़कों के परिणाम

46 किलो भार वर्ग

नाम	जिला	मेडल
उदय सिंह	चंडीगढ़	गोल्ड
नितिन	झज्जर	सिल्वर
समीर	करनाल	ब्रॉन्ज
आर्नव	रोहतक	ब्रॉन्ज

48 किलो भारवर्ग

फलक	सोनीपत	गोल्ड
विराज	गुरूग्राम	सिल्वर
धीरज	रोहतक	ब्रॉन्ज
नवीन	साईएच	ब्रॉन्ज

50 किलो भारवर्ग

तेजस	सोनीपत	गोल्ड
अंशु	पानीपत	सिल्वर
अभिनव	साईएच	ब्रॉन्ज
वंश	गुरूग्राम	ब्रॉन्ज

52 किलो भारवर्ग

आदित्य	साईबी	गोल्ड
हर्षित	हिसार	सिल्वर
मंयक	करनाल	ब्रॉन्ज
वंश	पानीपत	ब्रॉन्ज

54 किलो भारवर्ग

आशीष	रोहतक	गोल्ड
आशु	सोनीपत	सिल्वर
समीर	कैथल	ब्रॉन्ज
कुलजीत	भिवानी	ब्रॉन्ज

57 किलो भारवर्ग

रितेश	फतेहाबाद	गोल्ड
सुधांशु	पानीपत	सिल्वर
इशांत	हिसार	ब्रॉन्ज
नैतिक	रोहतक	ब्रॉन्ज

60 किलो भारवर्ग

गौरव	रोहतक	गोल्ड
सावन	भिवानी	सिल्वर
शिवम	करनाल	ब्रॉन्ज
मोहित	महेंद्रगढ़	ब्रॉन्ज

63 किलो भारवर्ग

आर्यन	साईबी	गोल्ड
विशाल	झज्जर	सिल्वर
अंकित	हिसार	ब्रॉन्ज
शिव सागर	कैथल	ब्रॉन्ज

66 किलो भारवर्ग

नैतिक	गुरूग्राम	गोल्ड
कुनाल	सोनीपत	सिल्वर
निखिल	कुरूक्षेत्र	ब्रॉन्ज
नितिन	हिसार	ब्रॉन्ज

70 किलो भार वर्ग

नमन	रोहतक	गोल्ड
ओमप्रकाश	रेवाड़ी	सिल्वर
सुमित	चंडीगढ़	ब्रॉन्ज
रितेश	कुरूक्षेत्र	ब्रॉन्ज

75 किलो भारवर्ग

कुनाल	गुरूग्राम	गोल्ड
कार्तिक	सोनीपत	सिल्वर
आर्यन	पानीपत	ब्रॉन्ज
आर्यन	हिसार	ब्रॉन्ज

80 किलो भारवर्ग

दिव्यांश	हिसार	गोल्ड
परमजीत	पानीपत	सिल्वर
दक्ष	रोहतक ए	ब्रॉन्ज
सुमित	झज्जर	ब्रॉन्ज

80 किलो से ज्यादा

चिरागदीप	कैथल	गोल्ड
आशुष	सोनीपत	सिल्वर
शिवम	भिवानी	ब्रॉन्ज
अमन	साईबी	ब्रॉन्ज

लड़कियों के परिणाम

46 किलो भारवर्ग

राखी	भिवानी	गोल्ड
भूमि	रोहतक	सिल्वर
निश्चल	पंचकूला	ब्रॉन्ज
गुंजन	हिसार	ब्रॉन्ज

48 किलो भारवर्ग

जिया	हिसार	गोल्ड
जिया	पानीपत	सिल्वर
नैंसी	कैथल	ब्रॉन्ज
चक्षु	जींद	ब्रॉन्ज

50 किलो भारवर्ग

काफी	भिवानी	गोल्ड
महक	कुरूक्षेत्र	सिल्वर
अन्नु	हिसार	ब्रॉन्ज
मानवी	कैथल	ब्रॉन्ज

52 किलो भारवर्ग

सिमरन	जींद	गोल्ड
कुदरत	भिवानी	सिल्वर
खुशिका	हिसार	ब्रॉन्ज
स्नेहा	कुरूक्षेत्र	ब्रॉन्ज

54 किलो भारवर्ग

जन्नत	कैथल	गोल्ड
दीक्षा	चंडीगढ़	सिल्वर
चेष्टा	भिवानी	ब्रॉन्ज
स्नेहा	पंचकूला	ब्रॉन्ज

57 किलो भारवर्ग

साक्षी	हिसार	गोल्ड
यशिका	सोनीपत	सिल्वर
परी	फरीदाबाद	ब्रॉन्ज

60 किलो भारवर्ग

चाहत	फरीदाबाद	गोल्ड
समायरा	सिरसा	सिल्वर
तरूणा	साईएच	ब्रॉन्ज
तन्वी	मेवात	ब्रॉन्ज

63 किलो भारवर्ग

दीया	साईबी	गोल्ड
हिमांशी	भिवानी	सिल्वर
अकाशी	झज्जर	ब्रॉन्ज
तन्नु	कैथल	ब्रॉन्ज

66 किलो भारवर्ग

प्रिया	साईबी	गोल्ड
यशिका	रोहतक	सिल्वर
माही	साईएच	ब्रॉन्ज
खनक	पानीपत	ब्रॉन्ज

70 किलो भारवर्ग

हिमांशी	गुरूग्राम	गोल्ड
प्रिया	कैथल	सिल्वर
शामभवी	रोहतक	ब्रॉन्ज
वशिंका	पानीपत	ब्रॉन्ज

75 किलो भारवर्ग

ज्योति	रेवाड़ी	गोल्ड
संध्या	रोहतक	सिल्वर
विदुशी	गुरूग्राम	ब्रॉन्ज
रितुजा	झज्जर	ब्रॉन्ज

80 किलो भारवर्ग

कनक	झज्जर	गोल्ड
यशिका	अंबाला	सिल्वर
प्राची	भिवानी	ब्रॉन्ज
जैसमीन	सिरसा	ब्रॉन्ज

80 किलो से ज्यादा

अंशिका	चंडीगढ़	गोल्ड
भूमिका	गुरूग्राम	सिल्वर
अनुष्का	सोनीपत	ब्रॉन्ज
कृतिका	भिवानी	ब्रॉन्ज

खबर संक्षेप

प्रो लीग यूरोप चरण के पहले मैच में नीदरलैंड से हारी भारतीय हॉकी टीम

एम्सटेलवीन। एक गोल से बढत बनाने के बावजूद भारतीय पुरूष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के पहले मैच में शनिवार को ओलंपिक चैम्पियन नीदरलैंड के हाथों 2 . 1 से हार गई । कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 19वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर दागकर भारत को बढत दिला दी थी लेकिन नीदरलैंड के लिये थीज वैन डैम ने दो फील्ड गोल (25वां और 58वां मिनट) करके भारत के जीत के मंसूबों पर पानी फेर दिया । भुवनेश्वर में खेले गए प्रो लीग के घरेलू चरण में आठ मैचों में 15 अंक हासिल करके भारत तीसरे स्थान पर है । बेल्जियम और नीदरलैंड में अगले साल होने वाले विश्व कप में सीधे जगह बनाने के लिये भारतीय टीम की नजरें यूरोपीय चरण में अधिकतम अंक जुटाने पर लगी हैं लेकिन आगाज जीत के साथ नहीं हो सका । भारतीय टीम ने शानदार शुरूआत की और अच्छे पास देकर गेंद पर नियंत्रण बनाये रखा ।

दिल्ली जीएम ओपन सोगरवाल ने जीएम करेन को हराया; नारायणन ने सिद्धार्थ को दी मात

नई दिल्ली। उभरते हुए शतरंज खिलाड़ी वैराज सोगरवाल ने आर्मेनिया के ग्रैंड मास्टर (जीएम) करेन एच ग्रिगोरियन को हराकर शनिवार को यहां दिल्ली इंटरनेशनल ओपन ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में उलटफेर के साथ आगाज किया। दिन का दूसरा उल्लेखनीय परिणाम 17 वर्षीय मीतांश दीक्षित और जॉर्जिया के जीएम लेवन पंत्सुलिया के बीच ड्रॉ मुकाबला रहा।

तलवार स्विस चैलेंज में 25वें स्थान पर

ल्यूसर्न। भारत के सप्तक तलवार ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए लगातार दूसरे राउंड में दो अंडर 69 का स्कोर बनाया और वह यहां स्विस चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 25वें स्थान पर हैं। तलवार ने अपने राउंड की शुरुआत फ्रंट नाइन से की लेकिन उनकी दोनों बर्डी बैक नाइन में आईं।उन्होंने 14वें और 17वें होल में बर्डी बनाई। पहले दो राउंड के बाद उनका कुल स्कोर चार अंडर पार है।

टेनिस : नंबर एक सिनर ने नोवाक को 6-4, 7-5, 7-6 (3) से हराया

जोकोविच का सपना टूटा, सिनर-अल्काराज़ में होगा फ्रेंच ओपन का खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶| पेरिस

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में 6-4, 7-5, 7-6 (3) से हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज़ से होगा। सिनर ने पहली बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में प्रवेश किया हैइस तरह जोकोविच का 25वां ग्रैंडस्लैम जीतने का इंतजार बढ़ गया। यह सिनर की जोकोविच के खिलाफ लगातार चौथी जीत है। सिनर अपना चौथा जबकि अल्काराज़ अपना पांचवा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। सिनर ने कहा, 'हम अपने लिए सर्वश्रेष्ठ मौके बनाते हैं और अब मुझे यह मंच मिला है। अभी मेरे लिए इससे बड़ा कोई और मौका नहीं हो सकता।' जोकोविच पुरुषों के रिकॉर्ड 24 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं, लेकिन वे कोर्ट फिलिप चैटियर पर सिनर के सटीक और तेज़ फोरहैंड का मुकाबला नहीं कर सके। सिनर ने कहा, 'मैंने मानसिक रूप से वहां बने रहने की कोशिश की और प्रत्येक अंक हासिल करने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी।'

फिर टूटा जोकोविच का सपना

नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन में चौथा और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में थे। बता दें कि सबसे ज्यादा सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताब (महिला और पुरुष) जीतने के मामले में जोकोविच और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज मार्गरेट कोर्ट की बराबरी पर हैं. दोनों ने सबसे ज्यादा संयुक्त रूप से 24 ग्रैंड स्लैम सिंगल्स टाइटल जीते हैं। हालांकि मार्गरेट ने इनमें से 13 खिताब ओपन ऐरा से पहले जीते थे। टेनिस में ओपन ऐरा की शुरुआत साल 1968 में हुई थी। जोकोविच का सपना फ्रेंच ओपन जीतकर मार्गरेट कोर्ट से आगे निकलना था, लेकिन ये सपना उनका फिर टूट चुका है।

जोकोविच का अंतिम फ्रेंच ओपन मैच

जोकोविच हारने के बाद इस बात को लेकर अनिश्चित हैं कि वह दोबारा फ्रेंच ओपन में खेल पाएंगे या नहीं। जोकोविच अगले साल फ्रेंच ओपन तक 39 वर्ष के हो जाएंगे। इस स्टार खिलाड़ी ने कहा, 'मेरा मतलब है कि यह मेरा यहां खेला गया आखिरी मैच हो सकता था, इसलिए मुझे नहीं पता। इसलिए मैं आखिर में थोड़ा अधिक भावुक था। अगर यह फ्रेंच ओपन में मेरे करियर का आखिरी मैच था तो दर्शकों ने जिस तरह से मेरा समर्थन किया उसे देखते हुए यह अद्भुत था।' जोकोविच ने मैच हारने के बाद अपना हाथ चूमा, फिर उसे मिट्टी पर रख दिया, मानो फ्रेंच ओपन को अलविदा कह रहे हों, जहां वह तीन बार चैंपियन रहे थे। उन्होंने अपना बैग ऊपर खींचा, स्टैंड की तरफ देखा और फिर बाहर चले गए।

सिनर ने रचा इतिहास

सिनर 1968 में शुरू हुए ओपन युग में फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले इटली के दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले 1976 के चैंपियन एड्रियानो पनाटा फाइनल में पहुंचे थे। इससे पहले अल्काराज ने जब लोरेंजो मुसेट्टी के खिलाफ 4-6 7-6(3) 6-0 2-0 से बढ़त बनाई थी, तब इटली का आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी पैर की चोट के कारण मैच से हट गया था।

कोको गाफ ने सबालेंका को हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन खिताब जीता

- 12 साल में पहली बार दुनिया की नंबर-1 और नंबर-2 खिलाड़ी फाइनल में भिड़ी
- 30 साल में यह दूसरी बार है जब खिताबी भिड़ंत शीर्ष दो खिलाड़ियों के बीच हुई

पेरिस(एपी)। अमेरिका की कोको गाफ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शीर्ष रैंकिंग वाली एरिना सबालेंका को 6 . 7, 6 . 2, 6 . 4 से हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन महिला एकल खिताब जीत लिया । अमेरिका की 21 साल की दूसरी रैंकिंग वाली गाफ इससे पहले 2023 अमेरिकी ओपन जीत चुकी हैं। रोलां गैरो पर 2013 के बाद पहली बार दुनिया की पहले और दूसरे नंबर की खिलाड़ी के बीच फाइनल खेला गया । बारह साल पहले सेरेना विलियम्स ने मारिया शारापोवा को हराकर खिताब जीता था। गाफ के दूसरे मैच पॉइंट पर सबालेंका के बैकहैंड शॉट के वाइड होने के साथ खिताब अपने नाम किया। वह जीत दर्ज करने के बाद पीठ के बल लेट गयी और अपने चेहरे को दोनों हाथों से ढक लिया। उन्होंने फिर अपने सिर को कोर्ट पर टिकाया और नेट पर सबालेंका का अभिवादन करने के बाद दर्शक दीर्घा में मौजूद फिल्म निर्देशक स्पाइक ली को गले लगाया और अपने साथियों के साथ जश्न मनाया। गाफ तीसरे सेट में अहम मौके पर अपने खेल का स्तर ऊंचा करने में सफल रही। उन्होंने इस सेट के तीसरे गेम में शानदार रैली जीत कर बेलारूस की सबालेंका पर दबाव बनाये रखा। उनके ड्रॉप शॉट और रिटर्न को संभालने में सबालेंका लगातार संघर्ष करते दिखी। इससे पहले कांटे की टक्कर वाले शुरुआती सेट को 6-7 से गंवाने के बाद गॉफ ने शानदार वापसी करते हुए दूसरे सेट को एकतरफा अंदाज में 6-2 से जीता। उन्होंने दमदार बैकहैंड रिटर्न से सबालेंका की सर्विस को दो बार ब्रेक कर दबदबा कायम किया। सबालेंका शुरुआती सेट में 4-1 की बढ़त बनाने में सफल रही लेकिन उन्होंने लगातार गलतियों और डबल फॉल्ट कर गाफ को वापसी का मौका दे दिया।

याराजी ताइवान एथलेटिक्स ओपन

भारत को छह स्वर्ण, ज्योति ने बाधा दौड़ में मारी बाजी

एजेंसी ▶▶| ताइपे सिटी

याराजी ताइवान एथलेटिक्स ओपन में शनिवार को महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में अव्वल रही और भारत के छह एथलीटों को स्वर्ण पदक मिला। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी याराजी ने 12.99 सेकंड का समय निकाला। जापान की असुका तेराडा (13.04 सेकंड) और चिसातो कियोयामा (13.0 सेकंड) को क्रमशः रजत और कांस्य पदक मिला। याराजी ने 29 मई को दक्षिण कोरिया में एशियाई चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता था जिसमें उन्होंने 12.96 सेकंड का समय निकाला था। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस सिरसे ने पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.52 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता। ताइवान के सियेह युआन केइ (13.72 सेकंड) को रजत और कुइ रू चेन (13.75) को कांस्य पदक मिला। भारत की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम (गुरिंदरवीर सिंह, अनिमेष कुजूर, मणिकांता होबलीधर और अमलान बोरगोहेन) ने 38.75 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। वे अपने ही 38.69 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से सेकंड के 600वें हिस्से से चूक गए। वे हालांकि टोक्यो विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग मार्क से भी चूक गए। सितंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए 14 देश क्वालीफाई कर चुके हैं और अब दो ही स्थान उपलब्ध हैं।

महिला रिले टीम ने जीता सोना

महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम (सुधीक्षा वदलुरी, स्नेहा सत्यनारायण, अबिनाया राजाराजन और नित्या गंधे) ने भी 44.06 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। अब्दुला अबूबाकर और पूजा ने क्रमशः पुरुषों की त्रिकूद और महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। अबूबाकर ने 16 . 21 मीटर की कूद लगाई हालांकि उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.19 मीटर है। पूजा ने चार मिनट 11.63 सेकंड का समय निकाला।

गुकेश तीसरे स्थान पर रहे, कार्लसन ने 7वीं बार जीता नॉर्वे शतरंज का खिताब

एजेंसी ▶▶| स्टावेंजर

विश्व चैंपियन डी गुकेश अंतिम दौर में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना से हारने के कारण नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहे, जबकि पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने यहां रिकॉर्ड सातवां खिताब जीता। गुकेश ने 2018 के नॉर्वे शतरंज चैंपियन कारुआना के खिलाफ समय समाप्त होने के कारण एक बड़ी गलती की इसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि मौका उनके हाथ से निकल गया है। गत विजेता कार्लसन ने शुक्रवार को 10वें राउंड में भारत के अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ मुख्य बाजी ड्रॉ कराकर अपने अंकों की संख्या 16 पर पहुंचाई और इस तरह से खिताब अपने नाम पक्का किया। कारुआना 15.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग मे दो बार की विश्व ब्लिट्ज़ चैंपियन, यूक्रेन की अन्ना मुज़ीचुक ने अंतिम राउंड में भारत की आर वैशाली से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हारने के बावजूद 16.5 अंकों के साथ खिताब जीता।

कलेक्टर टीना डाबी ने लगाई झाड़ू, व्यापारियों से भी लगवाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बाड़मेर

बाड़मेर जिला कलेक्टर ने टीबा डाबी ने नवो बाड़मेर अभियान के तहत शनिवार को शहर में झाड़ू लगाई। कलेक्टर ने फावड़े से गंदगी भी उठाई। सड़कों पर फैले गुटखे के पाउच इकट्?ठे किए। करीब चार घंटे तक चले सफाई अभियान में तीन टीमों ने श्रमदान किया। इनमें एनसीसी कैडेट्स, तनोट डिफेंस एकेडमी, मरू गूंज संस्थान, कैमिस्ट एसोसिएशन शामिल रहे। कलेक्टर की अपील पर दुकानदारों ने भी अपनी-अपनी दुकानों के बाहर झाड़ू लगाई-सफाई की और हमेशा सफाई रखने का वादा किया। अभियान के पहले दिन शनिवार को चौहटन सर्किल से एचपी पेट्रोल पंप सुभाष चौक तक सफाई की गई। यहां आईएएस रवि कुमार के निर्देशन में तनोट डिफेंस एकेडमी और मरु गूंज संस्थान बाड़मेर ने साफ-सफाई का जिम्मा संभाला। दूसरी टीम ने सुभाष चौक से रेलवे स्टेशन तक सफाई की। यहां कॉलेज एनसीसी कैडेट्स ने सफाई की। रेलवे स्टेशन से पीडब्लूडी डाक बंगला विवेकानंद सर्किल तक एसडीएम विरमाराम के निर्देशन में कैमिस्ट एसोसिएशन बाड़मेर ने सफाई कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सफाई अभियान में नगर परिषद के सफाई कर्मी भी साथ रहे। सफाई अभियान में कलेक्टर टीना डाबी सुबह करीब 7 बजे अहिंसा सर्किल पहुंचीं। खुद झाड़ू और फावड़ा लेकर सफाई अभियान में जुटीं। जिला परिषद सीईओ आईएएस रवि कुमार, एसडीएम राजेंद्र सिंह चांदावत, एसडीएम वीरमाराम, अतिरिक्त विकास अधिकारी ओंकारदान सहित प्रशासनिक अधिकारी भी उनके साथ सफाई में जुटे। कलेक्टर ने अहिंसा सर्किल पर किसान छात्रावास के आगे दुकानदार को साफ-सफाई रखने की अपील की और दुकानदारों से भी झाड़ू लगवाई। बाड़मेर की जिला कलेक्टर नियुक्त किए जाने के बाद से ही टीना डाबी नवो बाड़मेर अभियान चला रही हैं। इसके तहत सफाई अभियान, मरु उड़ान अलग-अलग प्रोग्राम शुरू किए गए। जिसमें विकलांगों के लिए सर्टिफिकेट, महिलाओं के लिए रोजगार के लिए सहित प्रोग्राम किए थे। इस कड़ी में शनिवार को सफाई की गई।

दौसा में दो सड़क हादसों में 2 की मौत, तालचिड़ी हादसे में गंभीर घायल की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा दौसा

दौसा जिले में शनिवार को दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पहला हादसा महवा थाना क्षेत्र में रौत के पास बीती देर रात हुआ, जहां अज्ञात वाहन ने पैदल राहगीर को कुचल दिया। हादसे में सीकरी निवासी पप्पू बैरवा की मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। शनिवार को पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। वहीं दूसरा हादसा सलेमपुर थाना क्षेत्र के तालचिड़ी गांव के पास शुक्रवार शाम को हुआ था, जिसमें गंभीर घायल एक जने ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि हादसे में घायल राशिद की जयपुर के एसएमएस अस्पताल में मौत हो गई। जिसका शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सुपुर्द किया गया। यहां शुक्रवार शाम को सड़क हादसे में दादा-पोता सहित तीन लोगों की मौत हुई थी। दादा और पोता पैदल जा रहे थे, उस दौरान एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने उन्हें कुचल दिया, जिसके चलते मौके पर ही दोनों की मौत हो गई थी। वहीं टक्कर से ट्रैक्टर ड्राइवर की भी मौत हो गई थी और दो अन्य घायल हुए थे। हादसे में नवल गुर्जर और पोता शैलेन्द्र निवासी हिंगोटवाड़ी और हिंडौन सिटी निवासी इमरान खान की भी मौत हो गई थी।

सीकर में कार में लगी आग, क्रेन से सर्विस सेंटर लेकर जा रहे थे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सीकर

सीकर के गोकुलपुरा थाना इलाके में क्रेन के जरिए सर्विस सेंटर गाड़ी को ले जाते आग लग गई। देखते ही देखते आग फैलने लगी। पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने आग बुझाने की कोशिश की। सूचना पर गोकुलपुरा थाने पुलिस भी मौके पर पहुंची। आग में गाड़ी पूरी तरह से जल गई, जिसे सड़क किनारे सुरक्षित खड़ा करवाया गया है। गोकुलपुरा थानाधिकारी इंस्पेक्टर प्रीति बेनीवाल ने बताया- घटना लोहिया रिसोर्ट के पास की है। यहां रींगस की तरफ से एक्सीडेंट में क्षतिग्रस्त अल्टो गाड़ी को ठीक करवाने के लिए सीकर में सर्विस सेंटर पर क्रेन के जरिए लाया जा रहा था। इस दौरान रास्ते में लोहिया रिसोर्ट के पास गाड़ी में आग लग गई। हालांकि गाड़ी काफी ज्यादा जल चुकी है जिसे वहीं सुरक्षित खड़ा करवाया गया है। गाड़ी शिखा शर्मा के नाम रजिस्टर्ड है। अंदेशा है कि गर्मी के चलते गाड़ी के टायरों में आग लगी हो और फिर आग फैलती गई।

अजमेर में रेलवे स्टेशन से तस्कर गिरफ्तार, 16 किलोग्राम डोडा चूरा जब्त

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अजमेर

अजमेर की रेलवे स्टेशन पर अवैध मादक पदार्थ सहित एक आरोपी को जीआरपी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से 16 किलोग्राम डोडा चूरा जब्त किया गया। आरोपी चित्तौड़गढ़ से सस्ते दामों में खरीद कर लाया था। पुलिस आरोपी से पूछताछ में जुटी है। जीआरपी थाना प्रभारी फूलचंद बालोटिया ने बताया- पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थ की रोकथाम के लिए एक टीम का गठन किया गया है। टीम को कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। इस अभियान के तहत टीम की ओर से स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर चेकिंग की जा रही थी। इसी बीच एक युवक पुलिस को देखकर घबरा गया। पूछताछ करने पर उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। तलाशी ली तो उसके पास से अवैध मादक पदार्थ बरामद हुआ।

कार-बाइक की भिड़ंत में सास-बहू और बेटे की मौत, मकान के गृहप्रवेश में शामिल होने जा रहे थे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बूंदी

बूंदी में कार और बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत में सास-बहू और बेटे की मौत हो गई। टक्कर से दोनों महिलाएं उछलकर दूर जाकर गिरी और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बेटे को कोटा रेफर किया, लेकिन रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। हादसा शनिवार दोपहर इंदरगढ़ इलाके में कोटा-लालसोट मेगा हाईवे पर लालपुरा के पास हुआ। बाइक सवार लोग मकान के गृहप्रवेश में शामिल होने जा रहे थे। इंदरगढ़ एसएचओ दिनेश शर्मा के अनुसार टोंक के सौंप निवासी महावीर धाकड़ (45) अपनी मां कैलाशी देवी (60) और पत्नी सुशीला (40) के साथ बाइक से करवर में रिश्तेदारी में मकान के गृहप्रवेश के कार्यक्रम में जा रहे थे। कोटा-लालसोट मेगा हाईवे पर लालपुरा गांव के पास इंदरगढ़ की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक पर बैठी दोनों महिलाएं दूर जा गिरीं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों की मदद से तीनों को इंदरगढ़ अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने कैलाशी देवी (60) और सुशीला (40) को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर हालत में महावीर को कोटा रेफर किया गया है। रास्ते में उसने भी दम तोड़ दिया। हादसे में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और बाइक भी टूट गई।

कार ने रॉन्ग साइड में जाकर बाइक को मारी टक्कर

इंदरगढ़ थाना प्रभारी दिनेश शर्मा ने बताया कि हादसा बाइक सवार अपनी साइड में चल रहा था। सामने से आ रही कार ने रॉन्ग साइड में जाकर बाइक को टक्कर मारी। कार सवार कोटा के रहने वाले हैं। वे करौली जा रहे थे। हादसे के बाद वे निजी वाहन से सवाई माधोपुर चले गए। वहां अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। उन्हें हल्की चोटें आई हैं।

किसानी का काम करता था मृतक

हादसे में जान गंवाने वाला महावीर धाकड़ खेती का काम करता था। उसके दो बेटे और एक बेटी है। तीनों प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।

महिला ने पीहर फोन किया, बाप-बेटे को मार डाला, दोनों की पीट-पीट कर हत्या

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा दौसा

दौसा में पिता-पुत्र की हत्या का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि महिला ने अपने घर फोन कर ससुराल में प्रताड़ित होने की शिकायत की थी। मामला जिले के पापदड़ा थाना क्षेत्र के खवारावजी के पास जोध्या की ढाणी का है। शुक्रवार देर रात 11 बजे घनश्याम बैरवा (32) और उसके पिता थान्याराम बैरवा (70) का मर्डर किया था। जिसकी जानकारी शनिवार सुबह करीब 8 बजे बाद मिली। अभी मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई है और शव उठाने से इनकार कर दिया है। लालसोट एएसपी दिनेश अग्रवाल ने बताया कि घनश्याम और निर्मला के बीच आपसी विवाद होता रहता था। शुक्रवार को भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। निर्मला का पीहर लीखली गांव में है। इस पर निर्मला ने अपने भाई और अन्य परिजनों को फोन कर शिकायत कर विवाद और प्रताड़ित करने की बात कही। इस पर निर्मला के घर वाले वहां पहुंचे। यहां दोनों के बीच विवाद हुआ। निर्मला को जब वापस ले जाने लगे तो पीहर पक्ष के लोगों ने घनश्याम और उसके पिता की पीट-पीट कर हत्या कर दी। एएसपी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर मॉर्च्युरी में शिफ्ट करवा दिया है। रिपोर्ट मिलने के बाद मामला दर्ज करवाया जाएगा। जोध्या की ढाणी जहां मर्डर हुआ है वहां आस-पास दो से तीन परिवार ही रहते है। रात में हुए घटनाक्रम की किसी को खबर तक नहीं लगी। सुबह 8 बजे के करीब जब ढाणी के लोग थान्याराम बैरवा के घर के पास पहुंचे तो पता चला कि दोनों का मर्डर हो गया है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। इस पर लालसोट से एएसपी लालसोट दिनेश अग्रवाल और नांगल डिप्टी एसपी चारुल गुप्ता भी मौके पर पहुंचे। हैं। डबल मर्डर की सूचना पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। पुलिस ने दोनों के शव कब्जे में लेकर अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया तो लोगो ने इसका विरोध शुरू कर दिया था। अभी मौके पर शांति है। मृतक के भाई के मौके पर पहुंचने तक लोगों ने शव उठाने से इनकार कर दिया था। लेकिन, समझाइश के बाद लोग माने और शव को मॉर्च्युरी में रखवाया।

फाजिल्का में दो नशा तस्कर गिरफ्तार, 1.33 किलो हेरोइन बरामद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा फाजिल्का

फाजिल्का में पुलिस ने दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। सदर थाना पुलिस ने गश्त के दौरान थेह कलंदर के पास दो युवकों को पकड़ा द्य जिनसे 1 किलो 33 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है द्य पुलिस ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया है द्य जानकारी के अनुसार पकड़े गए आरोपी राजस्थान के रहने वाले हैं। सदर थाना के एसएचओ हरदेव सिंह बेदी ने बताया कि पुलिस पार्टी गश्त पर थी। जब पुलिस पार्टी गांव थेहकलंदर के पास पहुंची द्य तो सामने से दो युवक आते हुए दिखाई दिए द्य शक होने पर उन्हें रोककर चेक किया गया तो उनसे 1 किलो 33 ग्राम हेरोइन बरामद हुई द्य पकड़े गए आरोपियों की पहचान हरदीप सिंह और जयदीप सिंह के रूप में हुई है द्य पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है द्य आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा और पूछताछ की जाएगी

धौलपुर में भैंस लूटने वाला आरोपी गिरफ्तार, अन्य आरोपियों की तलाश कर रही पुलिस

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धौलपुर

धौलपुर पुलिस ने भैंस लूट के मामले को सुलझा लिया है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लूटी गई 6 भैंसों को बरामद कर लिया है। साथ ही घटना में इस्तेमाल की गई बोलेरो गाड़ी को भी जब्त कर लिया है। वृत शहर धौलपुर के वृताधिकारी मुनेश कुमार के निर्देशन में थानाधिकारी शैतान सिंह के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी साक्ष्य और सीसीटीवी फुटेज की मदद से मामले की जांच की। पुलिस ने बकायन का पुरा निवासी शौकीन (35) को गिरफ्तार किया है। आरोपी से 30 मई को लूटी गई भैंसें बरामद की गई हैं। पीड़ित ने 4 जून को पिरोर्ट दर्ज कराई कि आगरा के तमौली पाड़ा मंटोला निवासी भोलू अपने ड्राइवर बंटू के साथ ग्वालियर से 6 भैंसों को मैक्स पिकअप में लेकर आगरा जा रहा था। धौलपुर में पप्पू ढाबे के आगे एक सफेद बोलेरो ने पीछे से टक्कर मारी। मुस्तफाबाद चौराहे पर बोलेरो सवार चार लोगों ने पिकअप रोककर भोलू और ड्राइवर से मारपीट की। फिर भैंसों से भरी पिकअप को छीनकर फरार हो गए। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। मामले में एएसआई राजवीर सिंह और कॉन्स्टेबल नरेंद्र सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। थाना सदर में धारा 308(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था।

डूंगरपुर में नर्सिंगकर्मियों के मुद्दे पर धरने पर बैठे विधायक, 100 कर्मचारियों को नौकरी से हटाया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा डूंगरपुर

डूंगरपुर से कांग्रेस विधायक गणेश घोघरा शनिवार दोपहर को कलेक्टर आवास के सामने गेट पर धरने पर बैठ गए। विधायक के साथ ही मेडिकल कॉलेज अस्पताल से हटाएं गए नर्सिंगकर्मी भी धरने पर बैठे। विधायक ने बिना नोटिस के नर्सिंगकर्मियों को हटाने पर आक्रोश जताया। विधायक ने नर्सिंगकर्मियों की भर्ती के नाम पर उनसे एक से डेढ़ लाख रुपए की अवैध वसूली के आरोप लगाए। विधायक के धरने की खबर के बाद कोतवाली पुलिस ओर जाब्ता मौके पर पहुंच गया। श्रीहरिदेव जोशी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लीड प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से लगाए गए करीब 100 नर्सिंगकर्मियों को पिछले दिनों हटा दिया गया। ये सभी नर्सिंगकर्मी पिछले ढाई साल से अस्पताल में ड्यूटी दे रहे थे, लेकिन राजमेस से संचालित प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज में यूटीबी पर नई भर्ती के बाद प्लेसमेंट एजेंसी के कार्मिकों को हटा दिया गया है। ऐसे में प्लेसमेंट एजेंसी के कार्मिकों उन्हें यथावत रखने की मांग कर रहे हैं। हटाए गए नर्सिंगकर्मी रविवार को विधायक गणेश घोघरा के क्वार्टर पर पहुंचे। जहां विधायक को पूरे मामले में जानकारी दी। इसके बाद विधायक से समर्थन मांगा। जिस पर विधायक गणेश घोघरा नर्सिंग कर्मियों के साथ ही कलेक्टर आवास पहुंच गए। विधायक गणेश घोगरा ने नर्सिंगकर्मियों के साथ कलेक्टर निवास के बाहर धरना दिया। विधायक गणेश घोगरा ने एजेंसी, मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल और कुछ भाजपा नेताओं पर डेढ़-डेढ़ लाख रुपए लेकर नए नर्सिंगकर्मियों को लगाने के गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि पुराने नर्सिंगकर्मियों ने डेढ़-डेढ़ लाख रुपए देने से मना कर दिया।

विधायक के साथ फोटोशूट की बात पर भड़के कांग्रेसी नेता

कहा- भ्रष्टाचारी के साथ फोटो नहीं खिंचवाऊंगा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नागौर

ईद की नमाज के बाद मकराना से कांग्रेस विधायक जाकिर हुसैन गैसावत और कांग्रेस नेता अजीज गहलोत के बीच विवाद हो गया। दोनों आमने-सामने हो गए और जमकर एक दूसरे से गाली-गलौज की। इस दौरान दोनों के समर्थक भी इकट्ठा हो गए और आपस में धक्का-मुक्की की। हाथापाई की नौबत आई तो पुलिस ने बीच-बचाव कर मामला शांत करवाया। मामले में विधायक ने कांग्रेसी नेता के खिलाफ FIR दर्ज करवाई है। आरोप है कि कांग्रेस नेता अजीज गहलोत ने शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान विधायक गैसावत को भ्रष्टाचारी कहा और अभद्र भाषा का उपयोग किया। वहीं अपने समर्थकों के साथ आकर उनके भतीजे का हाथ तोड़ दिया। घटना के 4 वीडियो भी सामने आए हैं। पूरा मामला डीडवाना-कुचामन जिले के मकराना में शनिवार को ईदगाह में ईद की नमाज के बाद सुबह 7 बजे हुआ। पूरा विवाद मकराना परिषद के कब्रिस्तान में सड़क निर्माण और अन्य कार्यों शिलान्यास के दौरान हुआ।

शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचे थे विधायक

विधायक ने रिपोर्ट में बताया कि शनिवार को मकराना में ईदगाह कब्रिस्तान खसरा नंबर 685 में 50 लाख की लागत से सीसी चौक निर्माण और कब्रिस्तान वजूखाना से भाखरो की ढाणी सड़क निर्माण (17) लाख के शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचे थे। ये निर्माण कार्य विधायक कोष से होने से हैं। ईद की नमाज के बाद शिलान्यास कार्यक्रम रखा गया था। इस दौरान कार्यक्रम में कांग्रेस नेता अजीज गहलोत भी पहुंचे थे। यहां अंजुमन कमेटी सहित विधायक और समाजजन भी कब्रिस्तान के गेट के पास स्थित वजूखाने में जमा हुए थे। रिपोर्ट में बताया कि इस दौरान अजीज गहलोत को मंच पर विधायक गैसावत के साथ फोटो खिंचवाने के लिए बुलाया गया तो उसने गाली गलौज करते हुए कहा कि मैं इस भ्रष्टाचारी के साथ फोटो नहीं खिंचवाऊंगा इसके बाद लोगों के समझाने पर तो वहां से चला गया लेकिन, अपने भतीजे-भांजों के साथ दोबारा आया और लाठी डंडों से मारपीट कर दी। रिपोर्ट में बताया कि गहलोत और उसके साथ आए समर्थकों ने मेरे साथ मारपीट करने की कोशिश की। मुझे बचाने आए मेरे भांजे फरीन का हाथ तोड़ डाला। वहीं शिलान्यास कार्यक्रम में लाए सामान को तोड़ डाला। ऐसे में मौजूद पुलिस जाब्ते को बीच-बचाव करना पड़ा। बता दें कि 2023 विधानसभा चुनाव में गहलोत ने कांग्रेस से मकराना सीट के लिए टिकट की दावेदारी जताई थी। लेकिन पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया। 26 मई को अजीज गहलोत ने माताभर में एक शराब ठेके के विरोध में हुए धरने को संबोधित करते हुए विधायक जाकिर हुसैन पर शराब ठेकेदार से रिश्वत लेने का आरोप लगाया था। वहीं, विधायक भी कई मौकों पर गहलोत के खिलाफ तीखे बयान दे चुके हैं। दोनों के बीच लंबे समय से बयानबाजी का दौर चल रहा था।

हाईवे पर हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंगः केदारनाथ धाम के लिए भरी थी उड़ान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा देहरादून

रुद्रप्रयाग जनपद के बडासू क्षेत्र में केदारनाथ के लिए जा रहा एक हेलिकॉप्टर तकनीकी खराबी के चलते अचानक सड़क पर लैंड हुआ। हेलिकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर केदारनाथ धाम की ओर जा रहा था, लेकिन रास्ते में आपात स्थिति के कारण पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए हेलीकॉप्टर को बडासू के पास सुरक्षित सड़क पर उतारा। स्थानीय प्रशासन और पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई और यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया। क्रिस्टल एविएशन कंपनी का हेली बताया जा रहा है। हेलिकॉप्टर ने बड़ासु हेलीपैड से केदारनाथ के लिए उड़ान भरी थी और टेकऑफ होते ही इमरजेंसी लैंडिंग सड़क पर करनी पड़ी। हेलिकॉप्टर में पांच यात्री, पायलट और सह पायलट सवार थे। सह पायलट को हल्की चोट की सूचना है। सीईओ यूकाडा सोनिका ने जानकारी दी कि क्रिस्टल एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के हेलिकॉप्टर ने यात्रियों को लेकर सिरसी से उड़ान भरते समय हेलीपैड के अलावा सड़क पर एहतियातन लैंडिंग की।किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। डीजीसीए को सूचित कर दिया गया है बाकी शटर ऑपरेशन तय कार्यक्रम के अनुसार सामान्य चल रहे हैं। पिछले महीने भी केदारनाथ धाम में लैंडिंग के समय हेली एम्बुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। हेली एंबुलेंस ऋषिकेश एम्स का था, जोकि ऋषिकेश से केदारनाथ जा रहा था। वहीं बीते आठ मई को ही गंगोत्री धाम जा रहा एक हेलिकॉप्टर गंगनानी के समीप दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस घटना में पांच महिलाओं समेत छह लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। गंगनानी का हेलिकॉप्टर हादसा बहुत भयावह था। वहां पर खोज-बचाव अभियान चला रहे अधिकारी कर्मचारियों ने बताया कि घटना में हेलिकॉप्टर के भी दो टुकड़े हो गए थे। वहीं दो शव हेलिकॉप्टर में ही फंस गए थे। उन्हें निकालने के लिए हेली को काटना पड़ा था। वहीं करीब 200 मीटर गहरी खाई में रेस्क्यू अभियान चलाना बहुत मुश्किल था।

किडनी प्रत्यारोपण कराने जा रही महिला की छूटी फ्लाइट, देवदूत बने शिंदे; चार्टर्ड विमान से लाए मुंबई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई

जलगांव से किडनी प्रत्यारोपण कराने मुंबई जा रही एक महिला की मदद के लिए डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने हाथ आगे बढ़ाए। शिंदे की पहल ने महिला को नया जीवन दिया। साथ ही मानवता की मिसाल कायम की। फ्लाइट छूटने से परेशान महिला के लिए एकनाथ शिंदे उस वक्त देवदूत बनकर आए। वे महिला को चार्टर्ड विमान से मुंबई लेकर पहुंचे और उसके इलाज की निगरानी की। हुआ यूं कि जलगांव जिले की महिला शीतल बोर्डे को किडनी प्रत्यारोपण कराने के लिए शुक्रवार को मुंबई जाना था। उनकी जलगांव हवाई अड्डे से फ्लाइट थी। महिला जब तक एयरपोर्ट पहुंची, तब तक उसकी फ्लाइट जा चुकी थी। फ्लाइट छूटने के बाद इलाज कराने जा रही महिला और उसके परिजन परेशान हो गए। उधर, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी संत मुक्ताबाई पालकी यात्रा समारोह में भाग लेने पहुंचे थे। जब वे मुंबई लौटने से पहले जलगांव एयरपोर्ट पर उनका चार्टर्ड विमान उतरने में कुछ देरी हुई। महिला को पता लगा कि डिप्टी सीएम भी मुंबई जाने वाले हैं तो उसने स्थानीय कार्यकर्ताओं को अपनी पीड़ा बताई। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने राज्य मंत्री गिरीश महाजन को फोन किया। मंत्री गिरीश महाजन ने समस्या समझी और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे से मदद करने के लिए कहा। बिना किसी हिचकिचाहट शिंदे ने महिला और उसके पति को अपने चार्टर्ड विमान में बिठाया और उन्हें मुंबई लेकर आए। यात्रा के दौरान उन्होंने महिला से बातचीत की और इलाज के बारे में जानकारी ली। डिप्टी सीएम कार्यालय ने कहा कि विमान के मुंबई में उतरने के बाद शिंदे ने तत्काल एक विशेष एंबुलेंस की व्यवस्था कराने के लिए कहा। साथ ही अस्पताल में उनके एडमिट होने तक मौजूद रहे। जलगांव के संरक्षक मंत्री गुलाबराव पाटिल ने उपमुख्यमंत्री के इस कदम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह आम नागरिक के प्रति समर्पित हैं। इस मामले में उनके हस्तक्षेप से न केवल एक जीवन बचा है, बल्कि सहानुभूति और सार्वजनिक सेवा के मूल्यों की पुष्टि हुई है।

आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टोलेरेंस नीति, हमारे सहयोगी इसे समझें', विदेश मंत्री जयशंकर का बयान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने शनिवार को नई दिल्ली में ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी से मुलाकात की। डेविड लैमी अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत दौरे पर आए हैं। बैठक के दौरान डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टोलेरेंस की नीति है और हम उम्मीद करते हैं कि हमारे सहयोगी इस बात को समझें। भारतीय विदेश मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ समर्थन के लिए भी ब्रिटिश सराकर को धन्यवाद दिया। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी दो दिवसीय भारत दौरे पर शनिवार सुबह नई दिल्ली पहुंचे। लैमी के दौरे में दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की जाएगी। एस. जयशंकर ने कहा कि, 'हम आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हैं और उम्मीद करते हैं कि हमारे सहयोगी देश इसे समझेंगे। हम कभी भी बुराई करने वालों को उनके पीड़ितों के बराबर नहीं रखेंगे।' जयशंकर ने हाल ही में अंतिम रूप दिए गए भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते को 'असल मायनों में एक मील का पत्थर' बताया। भारत ने बैठक के दौरान भी पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा उठाया। ब्रिटेन उन देशों में शामिल था, जो पिछले महीने अपने सैन्य संघर्ष के दौरान अपने तनाव को कम करने के प्रयास में भारत और पाकिस्तान दोनों के संपर्क में थे। लैमी ने 16 मई से इस्लामाबाद की दो दिवसीय यात्रा की, जिसके दौरान उन्होंने सैन्य कार्रवाइयों को रोकने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को हुए संघर्ष विराम समझौते का स्वागत किया।

पाकिस्तान के दुर्दिन शुरू, दुनियाभर में खुद को घिरता देख सिंधु समझौते पर छटपटा रहा है, भारत के हाथ मौका ही मौका

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

पाकिस्तान के बुरे दिन शुरू हो चुके हैं। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत की ओर से शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर से पहले और बाद में जिस तरह से पाकिस्तान की सेना और नेता शेखी बघार रहे थे, उन्हें अब पता चल गया है कि उनका मुल्क कितने पानी में है। पहले सैन्य संघर्ष में बुरी तरह पिटे और अब पानी को लेकर आने वाले संकट को देखकर गिड़गिड़ाने की नौबत आ गई है। दूसरी तरफ, भारत ने दुश्मन को घेरने के लिए अपनी कूटनीति को और भी मारक बनाने का काम शुरू कर दिया है। इसके लिए भारत के पास अभी मौके ही मौके हैं और दुनिया में बुरी तरह से बेनकाब हो चुके पाकिस्तान को इस कूटनीतिक चक्रव्यूह से निकलना बहुत ज्यादा मुश्किल होने वाला है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कनाडा जा रहे हैं। वहां उन्हें जी7 शिखर सम्मेलन की बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है, जिसका भारत सदस्य भी नहीं है। हालांकि, 2019 से ही उन्हें इस सम्मेलन में बुलाया जा रहा है, लेकिन इस बार यह इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि पहलगाम हमले के बाद से भारत अलग ही मोड में है। जी7 में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, इटली, जापान और जर्मनी जैसे देश शामिल हैं। यही नहीं यूरोपीयन यूनियन के देश भी इसमें भाग लेते हैं। संभावना है कि इस मौके पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत जी7 में शामिल सभी देशों के शीर्ष नेताओं से पीएम मोदी की सीधी बात होगी और इसमें ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमला प्राथमिकता रहेगी। इन वैश्विक नेताओं पर पीएम मोदी का अपना एक प्रभाव है। इसलिए, यहां पाकिस्तान की हिमायत करना किसी के लिए आसान नहीं होने वाला। उधर इसी समय में ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में 11वें ब्रिक्स संसदीय मंच पर आतंकवाद का मुद्दा उठा है, जिसमें भारत के रुख का समर्थन किया गया है। सभी 10 सदस्य देशों ने एक संयुक्त घोषणा में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की है। उन्होंने हर तरह के आतंकवाद से लड़ने के लिए मिलकर काम करने का वादा किया है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने यहां गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया है। उन्होंने आतंकवाद को वित्तीय मदद रोकने, खुफिया जानकारी साझा करने, नई तकनीकों के गलत इस्तेमाल को रोकने और जांच में सहयोग बढ़ाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस साल के मंच में BRICS के विस्तारित सदस्य शामिल हुए, जिनमें भारत, ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, ईरान, यूएई, मिस्र, इथियोपिया और इंडोनेशिया शामिल हैं। पाकिस्तान के लिए यह बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि उसका दोस्त चीन भी उस मंच का हिस्सा है, जो आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के नाम पर कम से कम दुनिया के देशों के बीच पाकिस्तान से दूरी बनाने की कोशिश करता दिख रहा है। इसी तरह चौथे इंडिया सेंट्रल एशिया डायलॉग में भी आतंकवाद पर बात हुई है। इसमें भी दोनों पक्षों ने कहा कि आतंकवादी हमलों के दोषियों को सजा मिलनी ही चाहिए। जो लोग आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं, उन्हें भी न्याय के कटघरे में लाना चाहिए। यहां भी पहलगाम में हुए हमले की भी कड़ी निंदा की गई। एक साझा बयान में कहा गया कि भारत और मध्य एशिया मिलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ेंगे। आतंकवाद मानवता के लिए खतरा है। हमें मिलकर इसे हराना होगा।। आतंकवाद को बढ़ाने वाले, उसे करवाने वाले और उन्हें वित्तीय सहायता देने वालों को न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (हृस्ष्ट) के नियमों, वैश्विक आतंकवाद-विरोधी रणनीति और एफएटीएफ के मानकों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए। इस डॉयलॉग के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर और उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य और तुर्कमेनिस्तान के विदेश मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की। बाद में प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर दोनों पक्षों के आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने की बात कही। आतंकवाद पर भारत के कूटनीतिक चक्रव्यूह में फंस चुके पाकिस्तान को अब जमीनी हालात समझ में आ चुकी है। भारत ने पहलगाम हमले के बाद सिंधु नदी समझौते को रोका है, तो उसकी छटपटाहट देखते ही बन रही है। उसने भारत को कम से कम चार चिट्ठियां लिखी हैं कि वह अपने फैसले पर फिर से विचार करे।

राहुल ने बिहार में हार स्वीकारी, चुनाव में धांधली के आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता पर भाजपा का पलटवार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के ट्वीट पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने करारा हमला बोला। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर जारी सियासी हलचल के बीच राहुल के ट्वीट पर फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी ने बिहार में अपनी हार स्वीकार कर ली है। जब तक राहुल गांधी जमीन पर नहीं उतरेंगे, तथ्यों को नहीं समझेंगे, खुद को और अपनी पार्टी को झूठा आश्वासन नहीं देंगे, तब तक उनकी पार्टी कभी नहीं जीत सकती। उन्हें जागना होगा और वास्तविकता को समझना होगा। अन्यथा वे ऐसी बिन सिर-पैर की बातें करते रहेंगे। न तो राहुल गांधी समझते हैं कि वे क्या कह रहे हैं, न ही लोग समझते हैं कि वे क्या कह रहे हैं। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राहुल गांधी के बयान पर कहा, 'स्वाभाविक है, जो व्यक्ति हारता है वह इसी तरह की बात करता है। यदि किसी को लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भरोसा नहीं है तो वे इस्तीफा दे दे और इस व्यवस्था से ही बाहर हो जाए।' ऐसे ही केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, 'इसका मतलब है कि वे हार मान चुके हैं। हार मानने वाले लोग इसी तरह की बातें करते हैं। राहुल गांधी अपनी हार देखते हुए ऐसे बयान दे रहे हैं। अब बहुत लोग उनकी बातों पर विश्वास नहीं करते हैं, वे हल्की बात बोलते हैं।' राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि चुनाव कैसे चुराया जाए? 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली करने का ब्लूप्रिंट था। मेरा लेख दिखाता है कि यह कैसे हुआ? अपने लेख के साथ पांच चरणों को उन्होंने साझा किया। राहुल गांधी ने लिखा कि पहला चरण - चुनाव आयोग की नियुक्ति के लिए पैनल में धांधली करना, दूसरा चरण- फर्जी मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ना, तीसरा चरण- मतदान प्रतिशत को बढ़ाना, चौथा चरण - फर्जी मतदान को ठीक वहीं लक्षित करें जहां भाजपा को जीतना है और पांचवां चरण सबूत छिपाना। राहुल गांधी ने कहा कि यह देखना मुश्किल नहीं है कि भाजपा महाराष्ट्र में इतनी हताश क्यों थी? लेकिन यह धांधली मैच फिक्सिंग की तरह है - जो पक्ष धोखा देता है वह खेल जीत सकता है, लेकिन संस्थानों को नुकसान पहुंचाता है। साथ ही परिणाम में जनता का विश्वास नष्ट करता है। सभी चिंतित भारतीयों को सबूत देखना चाहिए। खुद फैसला करें। जवाब मांगें। क्योंकि महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग अगली बार बिहार में होगी और फिर वहां जहां भाजपा हार रही होगी।

सुरक्षा बलों ने 2 और माओवादियों को किया ढेर, तीन दिनों में 4 नक्सली मार गिराए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बीजापुर

छत्तीसगढ़ में माओवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों की कार्रवाई लगातार जारी है। पिछले 15 दिनों में जवानों को कई बड़ी सफलताएं हाथ लगी है। इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान में सेना की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन में लगातार तीसरे दिन भी बड़ी सफलता हाथ लगी है। इस ऑपरेशन में तीसरे दिन सेना के जवानों ने 2 माओवादियों को जवाबी कार्रवाई में मार गिराया है। मिली जानकारी के अनुसार, इन तीन दिनों की कार्रवाई में अबतक 4 माओवादी मारे जा चुके हैं। मुठ-भेड़ में मारे गए 4 माओवादियों मे से 2 टॉप कमांडो हैं। जवानों ने माओवादियों के लाशों के पास से ऑटोमैटिक हथियार बरामद किए हैं। जवान फिलहाल ऑपरेशन जारी रखे हुए हैं। आपको बता दें कि इन 3 दिनों की कार्रवाई में सुरक्षा बल के जवानों ने गुरुवार को एक 1 करोड़ का इनामी माओवादी मार गिराया है। शुक्रवार को जिस माओवादी को मारा गया वह 45 लाख का इनामी था। ऐसे में जवानों की ओर से क्षेत्र में छुपे माओवादी संगठनों के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाया जा रहा है। जिससे की माओवाद को जड़ से समाप्त किया जा सके। नेशनल पार्क क्षेत्र में दूसरे दिन के ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने 45 लाख रुपये के इनामी तेलंगाना स्टेट कमेटी सदस्य और मंचेरियल कोमाराम भीम (एमकेबी) सचिव भास्कर उर्फ माइलारापु अडेल्लु (45) को मार गिराया है। छत्तीसगढ़ में उस पर 25 लाख व तेलंगाना में 20 लाख का इनाम घोषित था। इस दौरान जवानों ने एके-47 हथियार व विस्फोटक भी बरामद किए हैं। पहले दिन की ऑपरेशन क दौरान गुरुवार को इसी क्षेत्र में 40 लाख के इनामी केंद्रीय समिति सदस्य (सीसीएम) माओवादी सुधाकर को मुठभेड़ में ढेर कर दिया था। इन तीन दिन के अंदर दो बड़े माओवादी आतकियों के मारे जाने से माओवादियों को बड़ा झटका लगा है। साथ ही 2 अन्य माओवादी भी ढेर हो गए हैं। सुरक्षा बलों को इस क्षेत्र में फिलहाल 8 प्रमुख माओवादियों के यहां छिपे होने की जानकारी है। इनमें बसव राजू के मारे जाने के बाद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) महासचिव बनने की दौड़ में शामिल भूपति व देवजी के साथ पूर्व माओवादी प्रमुख गणपति जैसे बड़े नाम भी है।

महाराष्ट्र चुनाव पर राहुल गांधी ने फिर उठाए सवाल, कहा- भाजपा ने मैच फिक्सिंग की तरह धांधली की

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया है कि चुनाव में उसने मैच फिक्सिंग की तरह से धांधली की। एक अखबार में प्रकाशित लेख साझा करते हुए राहुल गांधी ने चुनाव को प्रभावित करने के पांच चरणों का जिक्र किया है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि चुनाव कैसे चुराया जाए? 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली करने का ब्लूप्रिंट था। मेरा लेख दिखाता है कि यह कैसे हुआ? अपने लेख के साथ पांच चरणों को उन्होंने साझा किया। राहुल गांधी ने लिखा कि पहला चरण - चुनाव आयोग की नियुक्ति के लिए पैनल में धांधली करना, दूसरा चरण- फर्जी मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ना, तीसरा चरण- मतदान प्रतिशत को बढ़ाना, चौथा चरण - फर्जी मतदान को ठीक वहीं लक्षित करें जहां भाजपा को जीतना है और पांचवां चरण सबूत छिपाना। राहुल गांधी ने कहा कि यह देखना मुश्किल नहीं है कि भाजपा महाराष्ट्र में इतनी हताश क्यों थी? लेकिन यह धांधली मैच फिक्सिंग की तरह है - जो पक्ष धोखा देता है वह खेल जीत सकता है, लेकिन संस्थानों को नुकसान पहुंचाता है। साथ ही परिणाम में जनता का विश्वास नष्ट करता है। सभी चिंतित भारतीयों को सबूत देखना चाहिए। खुद फैसला करें। जवाब मांगें। क्योंकि महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग अगली बार बिहार में होगी और फिर वहां जहां भाजपा हार रही होगी। अप्रैल में राहुल गांधी ने अमेरिका के बोस्टन में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि 'चुनाव आयोग अब निष्पक्ष नहीं रहा, वह समझौता कर चुका है।' उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2023 के मतदान आंकड़ों का हवाला देते हुए आरोप लगाया था कि अंतिम दो घंटे में लाखों वोट पड़ना भौतिक रूप से असंभव है। राहुल ने दावा किया, '5.30 बजे तक आयोग ने एक आंकड़ा दिया और फिर 5.30 से 7.30 बजे तक 65 लाख और वोट पड़ गए। अगर एक वोटर को वोट देने में लगभग 3 मिनट लगते हैं, तो इतने कम समय में इतने वोट नहीं पड़ सकते। इसका मतलब ये होता कि आधी रात तक लाइनें लगी थीं, जो कि सच नहीं है।' महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव महायुति गठबंधन ने जीता था। यहां चुनाव में मुख्य मुकाबला महायुति और महा विकास अघाड़ी गठबंधनों के बीच था।

हाइटेंशन लाइन से टकराई श्रद्धालुओं की बस, एक की मौत और दो गंभीर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा हाथरस

सादाबाद स्थित मथुरा अड्डा प्राइवेट बस स्टैंड पर शनिवार को एक बड़ा हादसा हुआ। एक प्राइवेट बस में करंट आ जाने से मौके पर अफरातफरी मच गई। इस हादसे में एक महिला सहित तीन लोग करंट की चपेट में आ गए, जिन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान एक दर्शनार्थी संजय निवासी कजरौठी की करंट लगने से मृत्यु हो गई। जबकि मीना देवी पत्नी रुस्तम सिंह निवासी कासिमपुर बल्देव मथुरा और देवेंद्र पुत्र अशोक निवासी मई झुलस गए। दोनों घायलों को गंभीर हालत में आगरा रेफर किया गया है। हादसे की जानकारी मिलते ही एसडीएम संजय कुमार और प्रभारी कोतवाल योगेश कुमार मौके पर पहुंचे और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। विधायक प्रदीप चौधरी भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गए और हादसे की जानकारी ली। ब्लॉक प्रमुख मुरसान रामेश्वर उपाध्याय भी बस अड्डे पर पहुंचे और लोगों से बातचीत की। बस 10 दिन के टूर से लौट रही थी, जिसमें श्रद्धालु वैष्णो देवी मंदिर से दर्शन कर वापस आ रहे थे। जब बस मथुरा अड्डा प्राइवेट बस स्टैंड पर पहुंची, तभी अचानक करंट आ जाने से यह हादसा हुआ।

सीएम भूपेंद्र पटेल ने राजकोट को दी 557 करोड़ की सौगात

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा गांधीनगर

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्वामी ऑडिटोरियम में नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि शहरी विकास वर्ष के अंतर्गत राजकोट शहर और जिले में बहुत अच्छे विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आज जिन विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया जाएगा, उनसे राजकोट शहर और जिले के नागरिकों की 'ईज ऑफ लिविंग' बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने पिछले दो दशकों की राजकोट की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 20 वर्षों में अटल सरोवर, एम्स, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, विभिन्न फ्लाईओवर सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं के माध्यम से राजकोट की भी कायापलट हुई है और शहर के निवासियों की खुशहाली बढ़ी है। राजकोट में आज नवनिर्मित आर्ट गैलरी सहित करोड़ों रुपये के विकास कार्य, राज्य सरकार की शहरजनों की सुगमता और खुशहाली बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मुख्यमंत्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज के 352वें राज्याभिषेक दिवस का उल्लेख करते हुए कहा कि शिवाजी महाराज ने सुशासन की स्थापना की थी। जनकल्याण, सुरक्षा और युद्ध का श्रेष्ठतम मॉडल विकसित किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने विकास की राजनीति शुरू कर 'नागरिक देवो भवः' की भावना के साथ पिछले 11 वर्षों के सुशासन में विकास का लाभ छोटे से छोटे व्यक्ति तक पहुंचाकर सुशासन का मॉडल स्थापित किया है। प्रधानमंत्री के बताए मार्ग पर चलते हुए आज राजकोट को 557.18 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की भेंट मिल रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सर्वेक्षण के अनुसार राज्य में 3.40 लाख परिवारों ने सोलर रूफटॉप लगाए हैं। इसमें से लोगों ने 58 प्रतिशत बिजली का उपयोग घरेलू उपयोग के लिए और 42 प्रतिशत बिजली का उपयोग सरकार को बेचकर कमाते के लिए किया। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सोलर योजना का लाभ किसानों को भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के 98 प्रतिशत किसानों को पूरा दिन बिजली मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सौराष्ट्र के प्रत्येक गांव तक सौनी योजना के माध्यम से पानी पहुंचाया है। आज, बिजली, पानी और उत्तम रोड कनेक्टिविटी की उपलब्धता के कारण राजकोट सहित पूरे सौराष्ट्र में उद्योग और व्यवसाय तेजी से विकसित हुए हैं। राजकोट जिले में आज शुरू हो रहे 112 करोड़ रुपये के रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर के कार्यों से जिले के उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और नागरिकों को परिवहन के लिए उत्कृष्ट सुविधाएं मिलेंगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा